



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 255]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 8, 2013/कार्तिक 17, 1935

No. 255]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 8, 2013/KARTIKA 17, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 2013

(अंतिम जांच परिणाम)

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित फास्फोरिक एसिड – तकनीकी ग्रेड और खाद्य ग्रेड (औद्योगिक ग्रेड सहित) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की निर्णयिक समीक्षा।

सं. 15/1010/2012-डीजीएडी – यतः, समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 और समय-समय पर यथासंशोधित, सीमा शुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए।

क. पृष्ठ भूमि

1. यतः, समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित, सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए चीन जन. गण. (जिसे एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "फास्फोरिक एसिड-तकनीकी ग्रेड एवं खाद्य ग्रेड (औद्योगिक ग्रेड सहित)" (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) ने दिनांक 03 जनवरी, 2008 की अधिसूचना संख्या 14/7/2006-डीजीएडी के तहत मूल रूप से निर्णायक पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश की थी और यतः वित्त मंत्रालय ने दिनांक 19 फरवरी, 2008 की अधिसूचना संख्या 17/2008 के तहत इस सिफारिश को क्रियान्वित किया था।

2. यतः, मैसर्स गुजरात अल्कलीज एंड कैमिकल्स लिमिटेड और मैसर्स पंजाब कैमिकल्स एंड क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड (जिन्हें "याचिकाकर्ता कंपनियां" या "याचिकाकर्ता" भी कहा गया है) ने चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित फास्फोरिक एसिड-तकनीकी ग्रेड और खाद्य ग्रेड (औद्योगिक ग्रेड सहित) के आयातों पर पहले से अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच करने का अनुरोध करते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के नियम 23 के साथ पठित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 9क(5) के अंतर्गत एक याचिका दायर की है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर देने से पाटन और क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है और इस कारण उन्होंने प्राधिकारी से पहले से लागू शुल्क में विस्तार करने का अनुरोध किया है।

3. और, इस पर प्राधिकारी ने, पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार, प्रभावी शुल्क के अधिरोपण की निरंतरता की जरूरत की समीक्षा करने और यह जांच करने के लिए कि क्या इस शुल्क के समाप्त कर देने से पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, एक निर्णायक समीक्षा जांच प्रारंभ करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 10 सितम्बर, 2012 को प्रकाशित एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया।

4. और, यतः अधिनियम की धारा 9(क) (5) में दी गई शर्तों के अनुरूप दिनांक 25 सितम्बर, 2012 की अधिसूचना संख्या 45/2012-सीमाशुल्क (एडीडी) के तहत यथा-अधिसूचित पाटनरोधी शुल्क 12 सितम्बर, 2013 तक बढ़ा दिया गया था।

ख. प्रक्रिया

5. इस जांच में, निम्नलिखित वर्णित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया :

क. भारत में संबद्ध देशों के राजदूतावासों को पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार इस जांच की शुरूआत के बारे में सूचित कर दिया गया।

ख. प्राधिकारी ने इस जांच शुरूआत अधिसूचना की प्रतियां, उपलब्ध जानकारी के अनुसार, संबद्ध देश के राजदूतावास, संबद्ध देश से ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों, ज्ञात आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भेजी। इस जांच से संबद्ध पक्षकारों से प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दर्ज करने और निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराने का अनुरोध किया गया।

ग. ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की प्रतियां, ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ संबद्ध देश के राजदूतावास को भी इस अनुरोध के साथ भेजी गई कि वे संबद्ध देश के अन्य निर्यातकों/उत्पादकों, यदि कोई हों, को निर्धारित समय-सीमा के अंदर प्रश्नावलियों का प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने का सुझाव दें।

घ. प्रासंगिक जानकारी प्रदान कराने के लिए संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को पाठनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार प्रश्नावलियां भेजी गईः

गौनकसी किन्झाऊ कैपिटल सक्सेस कैमिकल्स कंपनी लिमिटेड, 102, नान्झू ईस्ट स्ट्रीट, किन्झाऊ गौनकसी, चीन	लिउझाउ जियान्मी ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, 230-1, डान्घुआन एवेन्यू, लिउझाउ, गौनकसी चीन
सिजिआन्जुआंग लियाओ कैमिकल कंपनी लिमिटेड, वेस्टर्न इंडस्ट्रियल पार्क वुबाई विलेख, गाओयी काउन्टी शिजिआन्जुआंग, हीबैई, चीन (मुख्यभूमि) जिप : 051440	युनान युनिटान्हुआ इंटरनेशनल कैमिकल कंपनी लिमिटेड, सं. 1417, दियान्ची रोड, कुनिंग, युनान, चीन (मुख्यभूमि) जिप : 650220
गुआनकसी मिन्झोऊ यिशेन्ग फाइन कैमिकल कंपनी लिमिटेड, संचांग, हुआइयुयान टाउन, यिंझोऊ सिटी, हिंची, गुआनकसी चीन (मुख्यभूमि) जिप : 546300	जिनान तिआन्किऊ इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, 702, यूनिट नं. 1, साइबरपोर्ट बिल्डिंग, 16# ईस्ट रोड आफ गार्डेन विलेज, जिनान सिटी, शैन्डांग, चीन
क्रिवन झाउ रोंग दि कैमिकल्स कंपनी लिमिटेड, #6, शिलांग रोड, किन्झोऊ सिटी, किन्झोऊ गुआनकसी चीन 535000	लिआन्किसंग कैमिकल कंपनी लिमिटेड, 10वां तल संख्या 121 विन्जियांग रोड, क्सुन्यांग जिला जियुजियांग सिटी जियांगकसी प्रांत
किन्झोऊ केडी कैमिकल कंपनी लिमिटेड, किन्झोऊ सिटी, गोओलिउ टाउन दुजिआयाओ विलेख	गुआनकसी स्काईलैंड कारपोरेशन लिमिटेड, सं. 137 रोड, गुआनकसी फारेन बिल्डिंग नान्निंग, गुञ्जनकसी, चीन (मुख्यभूमि)
मैसर्स युनान कैम्फास कारपोरेशन डांगिजिआवान बिल्डिंग, डांगफेंग डांग लु, कुनिंग, युनान, चीन	

ঢ. ইনকে প্রত্যুত্তর মেঁ চীন কে কিসী ভী নির্যাতক/উত্পাদক নে ন তো কোই প্রত্যুত্তর দিয়া ঔর ন হী কোই সূচনা প্রদান করাই ।

চ. ভারত মেঁ সংবদ্ধ বস্তু কে নিম্নলিখিত জ্ঞাত আযাতকোঁ প্রযোক্তাওঁ ঔর এসোসিএশনোঁ সে সূচনা মাংতে হুএ প্রশ্না঵লিয়াঁ ভেজী গই ।

অল্বাইট এণ্ড বিল্সন কৈমিকল্স লিমিটেড, রাজমহল, 84, বীর নরীমন প্লাইট রোড, মুঁবাই- 400020	ভাবিতা কৈমিকল্স প্রাইভেট লিমিটেড, প্লাট নং. ডি-7/2, কৈমিকল্স এণ্ড অল্কলী সোসায়টি লিমিটেড এমআইডীসী, টীটীসী ইংডিস্ট্রিয়ল এরিয়া, নবী মুঁবাই
--	---

सी.जे. शाह एंड कंपनी, 105, बजाज भवन, 10वां तल नरीमन प्वाइंट, मुंबई-400021	जयदीप एंजेंसीज, 94, काजी साईद स्ट्रीट 2/ख, गंगा विहार मुंबई-400003
फार्मिकैम ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड, 11, पोलाक स्ट्रीट, तृतीय तल, कोलकाता	बेट्जडियर बोर्न इंडिया प्राइवेट लिमिटेड 15/16, एमजी रोड, बंगलौर
फर्टिलाइजर्स एंड कैमिकल्स ट्रावनकोर फ्लोर उद्योग, मेन्डाम्मी पी. ओ. कोचीन, केरल	मद्रास फर्टिलाइजर्स लिमिटेड मनाली, मद्रास-600068
एक्सेल इंडस्ट्रीज लिमिटेड 184, एस.वी. रोड, जोगेश्वरी पश्चिम, बंबई-400102	हिन्द लीवन कैमिकल्स लिमिटेड, ए-5, फेज-॥ ख, फोइल प्वाइंट-राजपुरा पंजाब
रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, हरिकुंज चार्टर रोड नं. 4, निकट मंगल कुंज, वोरी वली पूर्व, मुंबई	कारबोरैन्डम यूनिवर्सल लिमिटेड मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट, वांडेड एब्रौसिंज, पी. बी. नं. 2272, तिरुवोकियूर
तोनीरा फार्मा लिमिटेड, 301, योगी काम्प्लेक्स, 44, सम्पत्तराव कालोनी, अल्कापुरी, बड़ौदा-390005	बरजर आटो एंड इंडस्ट्रियल कोट 19, डीडीए कर्मिशयल काम्प्लेक्स, कैलाश कालोनी एक्सटेंशन, नई दिल्ली
एल जी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 221, ओखला फेज-III, नई दिल्ली-110020	संदीप फार्मा लिमिटेड, 402, "यशकमल" विलिंग, सयाजीगंज, बड़ौदा-390005
मंगलौर कैमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, पीओ पनमबूर, मंगलौर, कर्नाटक-575010	आई सी आई इंडिया लिमिटेड, फार्मास्युटिकल्स विजनेस, एन्नौर एक्सप्रेस हाईवे, एन्नौर, मद्रास-600057
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, सी-22 – एन्क्लेव गंगोत्री एंक्लेव, नई दिल्ली-110019	तौसीफ सिल्कटेक्स 96 रविन्द्र सरणी, द्वितीय तल, कोलकाता पश्चिम बंगाल-700073
टोरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, बजाज भवन, नरीमन प्वाइंट, बंबई-400021	

छ. इनके प्रत्युत्तर में किसी भी ज्ञात आयातकों प्रयोक्ताओं और एसोसिएशनों ने न तो कोई प्रत्युत्तर दिया और न ही कोई सूचना प्रदान कराई।

ज. वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि (पी ओ आई) 1 अप्रैल, 2011 से 31 मार्च, 2012 (12 माह) है। तथापि, क्षति विश्लेषण में अप्रैल 08 – मार्च 09, अप्रैल 09 – मार्च 10, अप्रैल 10 – मार्च 11 और जांच की अवधि को शामिल किया गया है। पाटन एवं क्षति की संभावना का निर्धारण करने के लिए जांच की अवधि के पश्चात् के आंकड़ों की भी जांच की गई है।

झ. जांच की अवधि और पूर्ववर्ती तीन वर्षों के आयात आंकड़े वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकीय महानिदेशालय (डी.जी.सी.आई.एंड.एस) से प्राप्त किए गए थे।

ज. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय पाठ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए एक खुली रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया।

ट. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और गैर क्षतिकारी कीमत का निर्धारण करने के लिए अनुबंध-III में विनिर्दिष्ट दिशानिर्देशों के आधार पर घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की यथासंभव सीमा तक जांच की जिससे कि यह सुनिश्चयन किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

ठ. प्राधिकारी ने, पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार सभी हितबद्ध पक्षकारों को 24 जुलाई, 2013 को आयोजित एक सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से व्यक्त करने का अवसर भी प्रदान किया। इस सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त करने वाले पक्षकारों से अनुरोध किया गया कि वे मौखिक रूप से अभिव्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित रूप में भी प्रस्तुत करें। हितबद्ध पक्षकारों से लिखित रूप में प्राप्त प्रस्तुतिकरणों में दिए गए तर्कों पर, जहां कहीं संगत पाया गया, प्रकट विवरण में विचार किया गया।

ड. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना और आंकड़ों का जरूरी समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया।

ढ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां कहीं आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया और ऐसी सूचना को गोपनीय के रूप में माना गया तथा उसका अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया। गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकारों को, जहां कहीं संभव हुआ, यह निदेश दिया गया कि वे गोपनीय आधार पर दर्ज कराई गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ भी प्रस्तुत करें।

ण. जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान अनिवार्य सूचना तक पहुंच की मनाही की है अथवा अनिवार्य सूचना प्रदान नहीं कराई है अथवा जांच में पर्याप्त अवरोध उत्पन्न किया है वहां प्राधिकारी ने इस मुद्दे की जांच उपलब्ध तथ्यों के आधार पर की है।

त. इस जांच से संबंधित अनिवार्य तथ्यों युक्त एक प्रकटन विवरण, जो अंतिम जांच परिणाम का आधार बनेगा, हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 26.8.2013 को जारी किया गया। केवल घरेलू उद्योग ने इस प्रकटन विवरण का प्रत्युत्तर दिया और किसी भी विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार ने उक्त प्रकटन विवरण का प्रत्युत्तर नहीं दिया। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन विवरण पश्चात् के प्रस्तुतिकरणों पर इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में, संगत पाई गई सीमा तक, विचार किया गया है।

थ. यह जांच पूरी करने की मूल तारीख 9.9.2013 थी। तथापि, प्राधिकारी के अनुरोध पर यह तारीख वित्त मंत्रालय द्वारा 9.11.2013 पर बढ़ा दी गई थी।

द. अधिसूचना में *** चिन्हित जानकारी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का प्रतिनिधित्व करती है और प्राधिकारी ने उस पर पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत उसके अनुरूप विचार किया गया है।

ध. वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना के अनुसार विनिमय दर 48.14 रुपए प्रति अमरीकी डालर की गई है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

6. किसी भी विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार ने इस जांच का प्रत्युत्तर नहीं दिया है और इस कारण उन्होंने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में कोई प्रस्तुतिकरण नहीं किया है।

घरेलू उद्योग की ओर से किया गया प्रस्तुतिकरण

7. घरेलू उद्योग ने संक्षेप में निम्नालिखित तर्क दिया है :-

क. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद फास्फोरिक एसिड – तकनीकी ग्रेड और खाद्य ग्रेड (औद्योगिक ग्रेड सहित) है।

ख. वर्तमान याचिका पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा निरंतरता और उसका संवर्धन करने के लिए है। इस जांच में विचाराधीन उत्पाद वही रहेगा जो मूल जांच में परिभाषित किया गया था।

ग. फास्फोरिक एसिड का सामान्यतः उत्पादन और उसकी बिक्री किलोग्राम या मी.टन में अभिव्यक्त वजन से की जाती है।

घ. फास्फोरिक एसिड का प्रयोग सोडियम फास्फेट, कैल्सियम फास्फेट, मैग्नीशियम फास्फेट, अमोनियम फास्फेट आदि का उत्पादन करने के लिए किया जाता है। संबद्ध वस्तु का प्रयोग फार्मास्युटिकल अनुप्रयोगों, पेय पदार्थों, बीज प्रसंस्करण, गन्ने के रस के शुद्धीकरण और चीनी परिष्करण, खाद्य फास्फेट विनिर्माण आदि में भी किया जा रहा है।

इ. उनके द्वारा उत्पादित वस्तु भौतिक एवं तकनीकी गुणधर्मों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा प्रशुल्क वर्गीकरण जैसे मापदंडों के रूप में संबद्ध देश से आयातित वस्तु के समान है।

च. फास्फोरिक एसिड सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 28 के अंतर्गत वर्गीकृत एक अकार्बनिक रसायन है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

8. विचाराधीन उत्पाद "फास्फोरिक एसिड – तकनीकी ग्रेड और खाद्य ग्रेड (औद्योगिक ग्रेड सहित)" है। मूल पाटनरोधी जांच के दिनांक 03 जनवरी, 2008 की अंतिम जांच परिणाम में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के निम्नवत परिभाषित किया था :

"वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "फास्फोरिक एसिड – तकनीकी ग्रेड और खाद्य ग्रेड" (औद्योगिक ग्रेड सहित) है। फास्फोरिक एसिड का प्रयोग सोडियम फास्फेट, कैल्सियम फास्फेट, मैग्नीशियम फास्फेट, अमोनियम फास्फेट, फार्मास्युटिकल अनुप्रयोग, मृदु पेय, बीज प्रसंस्करण, सुगर जूस और चीनी परिष्करण, खाद्य फास्फेट विनिर्माण आदि का उत्पादन करने के लिए किया जाता है। फास्फोरिक एसिड को सीमाशुल्क उपशीर्षक संख्या 28092010 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह वर्तमान जांच के दायरे के अंतर्गत किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।"

9. प्राधिकारी यह धारणा करते हैं कि वर्तमान समीक्षा एक पुनरीक्षा समीक्षा है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद वही बना रहेगा जैसा कि मूल जांच में परिभाषित किया गया है। इसके अतिरिक्त इस अवधि में इस उत्पाद में कोई महत्वपूर्ण विकास नहीं हुआ है।

10. इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ताओं ने यह प्रस्तुतिकरण किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देशों से आयात किए गए उत्पाद से भौतिक एवं तकनीकी गुणधर्मों, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा प्रशुल्क वर्गीकरण के रूप में समान वस्तु है। प्राधिकारी पुनः यह नोट करते हैं कि मौजूदा जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है और समान वस्तु के मुद्रे का समाधान विगत जांच में पहले ही कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, किसी भी अन्य विरोधकर्ता पक्षकार ने इस जांच का न तो कोई प्रत्युत्तर दिया है और न ही इस संबंध में कोई अन्य मुद्दा उठाया है। अतः प्राधिकारी यह उत्पादित करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन जन.गण. से आयातित फास्फोरिक एसिड – तकनीकी ग्रेड और खाद्य ग्रेड (औद्योगिक ग्रेड सहित) दोनों नियमावली के आशय के अंतर्गत समान वस्तु है।

घ. घरेलू उद्योग का दायरा

विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया प्रस्तुतिकरण

11. किसी भी विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार ने न तो इस जांच को कोई प्रत्युत्तर दिया है और न ही घरेलू उद्योग के आधार के संबंध में कोई मुद्दा उठाया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया प्रस्तुतिकरण

12. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए गए हैं:-

क. यह आवेदनपत्र घरेलू उद्योग की ओर से गुजरात अल्कलीज एवं कैमिकल्स लिमिटेड और पंजाब कैमिकल्स एंड क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है।

ख. यह कंपनियां भारत में संबद्ध वस्तु की प्रमुख उत्पादक कंपनियां हैं।

ग. इस उत्पाद की भारत में दो अन्य उत्पादक कंपनियां हैं, नामशः सोलारिस कैमटेक और स्टार कैमिकल्स।

घ. याचिकाकर्ता का उत्पादन भारत में विचाराधीन उत्पाद के कुल उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है।

ड. आवेदनपत्र का स्पष्ट रूप से समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों का उत्पादन, भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित समान उत्पाद के कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक बनता है।

च. अतः, याचिकाकर्ता वर्तमान याचिका दायर करने के आधार की अपेक्षाओं को संतुष्ट करते हैं। इसके अतिरिक्त प्रतिभागी कंपनियां पाटनरोधी नियमावली के आशय के अंतर्गत "घरेलू उद्योग" बनती हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

13. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ब) के तहत निम्नलिखित प्रावधान किया गया है:-

"घरेलू उद्योग" का आशय समान वस्तु के विनिर्माण या उससे संबंधित किसी अन्य क्रियाकलाप में समग्र रूप से लगे उन सभी घरेलू उत्पादकों अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के समस्त घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता हो, सिवाय इसके कि यदि ये उत्पादक कथित पाटित वस्तु के नियांतकों अथवा आयातकों से संबंधित हों अथवा उसके स्वयं आयातक हो तो ऐसे मामलों में वाक्यांश "घरेलू उद्योग" को केवल शेष उत्पादकों के रूप में माना जाएगा।

14. यह याचिका मैसर्स गुजरात अल्कलीज एवं कैमिकल्स लिमिटेड तथा मैसर्स पंजाब कैमिकल्स एंड क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं का उत्पादन भारत में संबद्ध वस्तु के कुल उत्पादन का 51.88 प्रतिशत बनता है, और, इस कारण उनका भारतीय उत्पादन में एक बड़ा अनुपात है। पूर्ववर्ती तथ्यों के महेनज़र, याचिकाकर्ता वर्तमान याचिका दायर करने के आधार को पूरी तरह से संतुष्ट करते हैं और याचिकाकर्ता कंपनियां नियमावली के अनुरूप "घरेलू उद्योग" बनती हैं।

ड. अन्य मुद्दे

15. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध उत्पाद के आयातों के संबंध में लेन-देनवार आयात आंकड़े प्रदान करने का डीजीसीआईएंडएस से अनुरोध किया। यह आंकड़े प्राधिकारी को प्राप्त हो गए। घरेलू उद्योग ने भारत में संबद्ध उत्पाद के आयातों के संबंध में आईबीआईएस लेन-देनदार आयात आंकड़े प्रदान कराए हैं। इन दोनों ही आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों के अनुसार- जांच की अवधि में चीन जन.गण. से आयात की मात्रा 10,606 मी.टन की थी जबकि याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि आईबीआईएस के अनुसार जांच की अवधि में आयात की मात्रा 9792 मी.टन थी। अतः, डीजीसीआईएंडएस द्वारा रिपोर्ट किए गए आयात की मात्रा आंशिक रूप से ज्यादा है। कीमत के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों के अनुसार चीन जन. गण. से आयात कीमत 44.40 रुपए प्रति किलोग्राम और आईबीआईएस आंकड़ों के अनुसार उसकी कीमत 45.13 रुपए प्रति किलोग्राम है। अतः, डीजीसीआईएंडएस और आईबीआईएस द्वारा रिपोर्ट की गई कीमतों में कोई खास अंतर नहीं है। विचाराधीन उत्पाद के चीन जन. गण. से आयातों की मात्रा और मूल्य भी तुलनीय हैं। अतः, प्राधिकारी ने संपूर्ण क्षति अवधि में भारत में आयातों की मात्रा और मूल्य का निर्धारण करने के लिए डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों को अपनाया है।

च. पाटन का आकलन – क्रियापद्धति और मापदंड

पाटन

विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया प्रस्तुतिकरण

16. किसी भी विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार ने न तो इस जांच का कोई प्रत्युत्तर दिया है और न ही उन्होंने पाटन के संबंध में कोई मुद्दा उठाया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

17. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए हैं :

- क. डब्ल्यूटीओ के किसी भी सदस्य देश ने, संगत प्रक्रिया, जिसमें उप-पैराग्राफ 8(3) में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया शामिल है, का अधुनातन विस्तृत मूल्यांकन करने के आधार पर चीन के किसी भी उत्पादक को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है।
- ख. चीन का कोई भी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे को संतुष्ट नहीं कर पाया है।
- ग. यूरोपियन कमीशन और संयुक्त राज्य अमेरिका ने पिछले तीन वर्षों में चीन जन.गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का दर्जा दिया है। यूरोपियन यूनियन और संयुक्त राज्य दोनों ही विश्व व्यापार संगठन के सदस्य हैं।
- घ. भारत में भी, प्राधिकारी ने चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना है। प्राधिकारी ने दिनांक 31 मई, 2002 के संशोधन के पश्चात् चीन जन.गण. के विरुद्ध व्यावहारिक रूप से प्रारंभ की गई सभी जांचों के लिए चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना है।
- ड. यूरोपियन कमीशन ने ट्राइक्लोरोइसोसायनुरिक एसिड, स्टेनलेस स्टील के कुछ सीमलेस पाइपों तथा ट्यूब्स; आक्जैलिक एसिड; हैंड पैलेट ट्रक्स और उनके जरूरी पुर्जों; बेरियम कार्बोनेट के मामले में चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने कतिपय बुने हुए इलेक्ट्रिक ब्लैकेट्स, सीमलेस रिफाइंड कापर पाइप और ट्यूब, बुने हुए सेल्वेज युक्त संकरे बुने हुए रिबन्स और कतिपय मैग्नीशिया कार्बन ब्रिक्स जैसे मामलों की पाटनरोधी जांच में चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना है।
- च. दिनांक 4 जून, 2002 के संशोधन के पश्चात् भी व्यावहारिक रूप में शुरू की समस्त जांचों के संबंध में प्राधिकारी ने चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में ही माना है।
- छ. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 04 जून, 2002 के संशोधन के पश्चात चीन के विरुद्ध प्रारंभ की गई लगभग सभी जांचों में व्यावहारिक रूप से चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में ही माना है।
- ज. इस पर चीन जन.गण. द्वारा भी, अपनी परिग्रहण संधि के अंतर्गत, सहमति व्यक्त की गई कि डब्ल्यूटीओ के सदस्य 11 दिसम्बर, 2016 तक एनएमई पाटनरोधी कार्यप्रणाली का प्रयोग कर सकते हैं।
- झ. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा ऐसी स्थिति में नहीं दिया जा सकता है जहां एक बड़ा शेयरधारक राज्य स्वामित्व/ नियंत्रण का निकाय हो।
- ज. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता है जब तक प्रत्युत्तरदाता निर्यातक यह सिद्ध नहीं कर देता है कि प्रमुख अंतर्राष्ट्रीयों की कीमत पर्याप्त रूप से बाजार मूल्यों को प्रतिबिम्बित करती है।
- ट. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता है जब तक कि प्रत्युत्तरदाता निर्यातक यह सिद्ध नहीं कर देता है कि उनकी खाता-बहियों की लेखापरीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण मानकों के अनुरूप की गई है।
- ठ. यदि किसी एक मापदंड को संतुष्ट किया जाना शेष रह जाता है तब भी बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता है।

ड. चीन के प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों को यह स्थापित करना अभी भी बाकी है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की शर्तों के अनुरूप प्रचालन करते हैं।

ढ. किसी बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश में विनिर्मित मूल्य या कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण इस कारण से नहीं किया जा सकता है कि संगत जानकारी उपलब्ध नहीं है।

ण. यह कि सामान्य मूल्य "समान मद के लिए व्यापार के सामान्य अनुक्रम में जब वह ऐसी बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश में खपत के लिए होता है तो तुलनीय कीमत होती है।" इस आधार पर सामान्य मूल्य पर पहुंचने के लिए, निर्दिष्ट प्राधिकारी को ऐसे तृतीय देश में सहयोगकर्ता उत्पादक द्वारा की गई सभी घरेलू विक्रियों के संबंध में संपूर्ण एवं विस्तृत सत्यापन योग्य जानकारी, इसकी उत्पादन लागत तथा अन्य सभी सहयोगी सूचना एवं साक्ष्यों सहित (व्यापार के सामान्य अनुक्रम में समस्त सूचना सहित) अपेक्षित होती है।

त. पाठनरोधी करार के अनुच्छेद 2.4 के अंतर्गत यथानिर्धारित पक्षपात रहित तुलना के सिद्धांत भी इस बारे में संगत है।

थ. याचिकाकर्ता बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश में किसी उत्पादक से ऐसी जानकारी प्राप्त करने में सक्षम नहीं हुए हैं।

द. अतः याचिकाकर्ताओं ने चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में उत्पादन लागत के आधार पर विधिवत समायोजन करने के पश्चात किया है। प्रमुख कच्चे माल तथा उपयोज्यों के लिए याचिकाकर्ता कंपनियों में से एक कंपनी के उत्पादन के खपत मानदंडों पर विचार किया गया है।

ध. निर्यात कीमत का निर्धारण विचाराधीन उत्पाद की भारित औसत आयात कीमत के रूप में किया गया है। यह नोट किया जाना है कि निर्यात कीमत का परिकलन सी आई एफ स्तर पर किया जाता है। पाठनरोधी डब्ल्यूटीओ करार तथा भारतीय पाठनरोधी नियमावली के अनुसार सामान्य मूल्य एवं निर्यात मूल्य की तुलना व्यापार के समान स्तर पर की जानी चाहिए। अतः, निर्यात कीमत का समायोजन उन व्ययों के लिए किया गया है जो निर्यातक द्वारा भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात करने के लिए किया गया है।

न. पाठन मार्जिन न केवल निर्धारित सीमा से अधिक है बल्कि यह बहुत अधिक है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

पाठन मार्जिन

(क) सामान्य मूल्य

18. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विगत में चीन जन.गण. को डब्ल्यूटीओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाठनरोधी जांच में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। अतः, पाठनरोधी नियमावली के अनुबंध के पैरा 8(2) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार चीन को, उपर्युक्त नियमों में उल्लिखित शर्तों के अनुरूप किसी निर्यातक देश अथवा व्यक्तिगत निर्यातक द्वारा उपर्युक्त परिकल्पना के खंडन के अध्यधीन, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना जाता है।

19. पाटनरोधी नियमावली के यथासंशोधित अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली परिकल्पना का खंडन तभी किया जा सकता है यदि चीन गण. गण. से निर्यातिक पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर सूचना एवं पर्यास साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं तथा इसके विपरीत सिद्ध कर देते हैं। चीन जनवादी गणराज्य में संबद्ध वस्तु के सहयोगकर्ता निर्यातिकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में यथाउलिखित आवश्यक सूचना/पर्यास साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित होता है जिससे कि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :

क. चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का कीमत, लागत एवं अंतरनिविष्टि, कच्चे माल सहित प्रौद्योगिकी तथा श्रम की लागत, आउटपुट, विक्रियां एवं निवेश के संबंध में निर्णय बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में मांग एवं आपूर्ति का प्रतिविम्बमन करते हुए तथा इस संबंध में देश के बिना किसी महत्वयपूर्ण हस्तक्षेप के किया जाता है और यह कि क्या प्रमुख इनपुटों की लागत बाजार मूल्यों को पर्यास रूप से प्रदर्शित करती है;

ख. इन फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति, खासकर परिसंपत्तियों के मूल्यांकन, बढ़े खाते में डाले गए अन्य व्ययों, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान के संबंध में, पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली द्वारा पहुंचाई गई पर्यास विकृति के अध्यधीन है।

ग. ऐसी फर्मों दिवालियापन एवं संपत्ति विधियों के अध्यधीन हैं जो विधिक निश्चितता तथा फर्मों के प्रचालन में स्थिरता की गारंटी प्रदान करती हैं, और -

घ. विनिमय दर परिवर्तन बाजार दरों पर किया जाता है।

20. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में चीन जन.गण. से किसी भी उत्पादक/ निर्यातिक से प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। संबद्ध देश के किसी भी निर्यातिक/उत्पादक ने प्राधिकारी के साथ न तो सहयोग किया है और न ही वर्तमान जांच में उन्होंने कोई प्रत्युत्तर दिया है। इसके अतिरिक्त, किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई अन्य ऐसा वैकल्पिक आधार प्रदान नहीं कराया है जिस पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जा सकता हो। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में मानते हैं। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी सामान्य मूल्य का निर्धारण, बिक्री सहित सामान्य एवं प्रशासनिक व्ययों एवं लाभों, का विधिवत समायोजन करके, भारत में उत्पादन लागत को अपनाकर, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर करने का प्रस्ताव करते हैं। इस उद्देश्य के लिए प्राधिकारी ने प्रमुख कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमत तथा घरेलू उद्योग की सर्वाधिक कार्यकुशल परिवर्तन लागत को लिया है। तदनुसार, विनिर्मित सामान्य मूल्य का निर्धारण तकनीकी ग्रेड के लिए *** अमेरिकी डालर प्रति मी.टन तथा खाद्य ग्रेड के लिए *** अमेरिकी डालर प्रति मी.टन किए जाने का प्रस्ताव है।

(ख) निर्यात कीमत

21. निर्यात कीमत के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मौजूदा जांच में संबद्ध देश के किसी भी निर्यातिक ने सहयोग नहीं किया है। अतः, प्राधिकारी ने भारित निर्यात कीमत पर विचार डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आयात आंकड़ों के अनुसार चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु की भारित औसत निवल फैक्टरी-बाह्य निर्यात कीमत, समुद्री भाड़ा, सामुद्रिक बीमा, कमीशन,

पत्तन व्यय, अंतर्राष्ट्रीय भाड़ा, बैंक कमीशन तथा मूल्यवर्धित कर का समायोजन करने के पश्चात, तकनीकी ग्रेड के लिए *** अमेरिकी डालर प्रति मी.टन तथा खाद्य ग्रेड के लिए *** अमेरिकी डालर प्रति मी.टन बनती है।

(ग) पाटन मार्जिन

22. फैक्टरी बाह्य स्तर पर ऊपर किए गए स्पष्टीकरण के अनुरूप यथानिर्धारित विनिर्मित सामान्य मूल्य तथा निवल निर्यात कीमत के आधार पर संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के सभी निर्यातकों के लिए जांच की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन निम्नलिखित तालिका में दिए गए के अनुरूप निर्धारित किया जाता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के निर्यातों का प्रस्तावित पाटन मार्जिन सकारात्मक तथा न्यूनतम से अधिक है।

चीन जन.गण.	सामान्य मूल्य (अम.डा./ मी.ट.)	निर्यात कीमत (अम.डा./ मी.ट.)	पाटन मार्जिन (जांच की अवधि 2011-12) (अम.डा./ मी.ट.)	पाटन मार्जिन (जांच की अवधि) %	पाटन मार्जिन (जांच की अवधि) रेंज
चीन गन गण से सभी उत्पादक और निर्यातक					
• तकनीकी ग्रेड	***	***	***	***	40-50
• खाद्य ग्रेड	***	***	***	***	95-105
भारित औसत	***	***	***	***	50-60

छ. क्षति का आकलन तथा कारणात्मक संबंधों की जांच

क्षति का आकलन

विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

23. किसी भी विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार ने न तो इस जांच का प्रत्युत्तर दिया है और न ही क्षति के संबंध में कोई अन्या मुद्दा उठाया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

24. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए गए हैं :

क. समान वस्तु के संबंध में व्यवहार्य समझी गई सीमा तक जानकारी उपलब्ध कराई गई है और वह पृथक रूप से उपलब्ध है। तथापि, ऐसी स्थिति में जहां समान वस्तु के बारे में सूचना की पृथक पहचान करना व्यवहार्य न होने के कारण पृथक रूप से जानकारी उपलब्ध नहीं हुई है वहां उत्पादों के संकीर्णत समूह/श्रृंखला के बारे में सूचना उपलब्ध कराई गई है जिसमें ऐसी समान वस्तु शामिल है जिसके लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध है तथा वह जानकारी प्रदान कराई जा सकती है।

ख. निर्णयिक समीक्षा जांच करते समय प्राधिकारी को उस सीमा तक विचार करना अपेक्षित होता है जिस तक घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में सुधार प्रभावी पाटनरोधी शुल्क से संबंधित होता है तथा यह कि यदि मौजूदा आदेशों को समाप्त कर दिया जाए तो क्या घरेलू उद्योग को क्षति के लिए सुधार हो जाएगी। किसी निर्णयिक समीक्षा जांच में क्षति विश्लेषण में मूल जांच के समय घरेलू उद्योग की आर्थिक स्थिति के साथ-साथ घरेलू उद्योग की आर्थिक स्थिति में जांच के साथ-साथ घरेलू उद्योग की आर्थिक स्थिति में जांच के पश्चात् हुए विकास पर विचार करना शामिल होता है।

ग. घरेलू उद्योग की वर्तमान स्थिति का निर्धारण करने के उद्देश्य से उसकी उत्पादन, क्षमता, इसके उपयोग, बिक्री, भंडार, रोजगार, मांग, बाजार हिस्सा, कीमत पैरामीटर, लाभप्रदायकता, निवेश तथा अन्य कारकों पर विचार करना अपेक्षित होता है। यदि यह पाया जाता है कि आयात पाटित कीमतों पर जारी बने हुए हैं और उनसे घरेलू उद्योग को क्षति कारित हो रही है तो यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि प्रभावी शुल्क को समाप्त कर देने से घरेलू उद्योग के निष्पादन में और अधिक गिरावट नहीं आएगी।

घ. याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध वस्तु के पाटन की निरंतरता की संभावना तथा घरेलू उद्योग को क्षति की निरंतरता की परिणामी सम्भाव्यता का परीक्षण एवं उसकी जांच करने का अनुरोध किया है।

ङ. भारत में संबंधित उत्पाद की मांग में समग्र वृद्धि हुई है। वर्ष 2009-10 की मांग की तुलना में वर्ष 2010-11 में भारी वृद्धि इजरायल और ताईवान से आयातों में भारी वृद्धि के कारण हो सकती है जिसके विरुद्ध प्राधिकारी ने अभी हाल ही में एक जांच पूरी की है और पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है।

च. जांच की अवधि में आयातों में आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। वास्तव में, आधार वर्ष तथा जांच की अवधि के बीच, भारत में मांग के संबंध में चीन जन.गण. से आयातों में भारी वृद्धि हुई है।

छ. चीन जन.गण. से आयातित उत्पाद की उत्तराई कीमत घरेलू उद्योग के निवल बिक्री प्राप्त से बहुत कम हैं जिसके कारण भारी कीमत अधोरदन हुआ है।

ज. बिक्री लागत में गिरावट कीमतों में गिरावट की तुलना में कम है। अतः, निरंतर पाटित आयातों से भारतीय बाजार में कीमत निश्चयण एवं अवमंदन हो रहा है।

झ. उत्पादन लागत और बिक्री कीमत दोनों में पहले गिरावट आई और फिर उनमें वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, आयातों से घरेलू कीमतों का अधोरदन हो रहा है। इस प्रकार ऐसी संभावना है कि आयातों का बाजार में कीमतों पर निश्चयणार्थी प्रभाव है।

ज. पाटित आयातों में भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में अथवा निरूपाधि रूप दोनों तरह से भारी वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों द्वारा पर्याप्त कीमत अधोरदन किया गया है और इन आयातों के प्रभाव से घरेलू कीमतों का निश्चयण हो रहा है तथा इनसे कीमतों में वृद्धि अवरुद्ध हो रही है, जो अन्यथा, भारी मात्रा में हुई होती।

ट. संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि हुई है। तथापि, देश में पर्याप्त मांग के होते हुए घरेलू उद्योग की बिक्री तथा उत्पादन में वृद्धि नहीं हुई है।

- ठ. घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।
- ड. पाटित आयातों की आसान उपलब्धता के कारण घरेलू उद्योग अपना उत्पादन और अपनी बिक्री उसी अनुपात में बढ़ाने में सक्षम नहीं हुआ जिस अनुपात में इसकी मांग में वृद्धि हुई है, इसके परिणामस्वरूप जांच की अवधि के दौरान उत्पादन और बिक्री में 7044 मी. टन तथा 4886 मी. टन का घाटा हुआ है।
- ढ. पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने के पश्चात् घरेलू उद्योग को उम्मीद थी कि इसकी बिक्री तथा बाजार हिस्से में वृद्धि होगी, परंतु इसमें वृद्धि नहीं हुई, बल्कि इसमें गिरावट आई।
- ण. बढ़ते आयातों के कारण घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है और पाटनरोधी शुल्क लगे होने के बावजूद भी इसमें सुधार नहीं आया है।
- त. सतत पाटन के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में वर्षों से सुधार नहीं आया है। घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। यद्यपि घरेलू उद्योग को चालू जांच की अवधि में कुछ लाभ हुआ है परंतु उसका स्तर बहुत कम था। घरेलू उद्योग द्वारा लगाई गई पूंजी पर अर्जन बहुत न्यून है।
- थ. पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किए जाने के बावजूद घरेलू उद्योग की उत्पादकता में गिरावट आई है। उत्पादकता के रूप में घरेलू उद्योग के वर्षों के कार्यनिष्पादन में, वर्ष 2010-11 के अपवाद को छोड़कर, सुधार प्रदर्शित हुआ, परंतु पाटित आयातों के कारण इसमें पुनः गिरावट आने लगी।
- द. इस तथ्य के मद्देनज़र कि घरेलू उद्योग के संघटक बहु उत्पाद कंपनियां हैं, इनके रोजगार और वेतन में कुछ सुधार आया। संभव है कि इन पैरामीटरों से घरेलू उद्योग द्वारा सहन की जा रही निरंतर क्षति का प्रदर्शन न होता हो।
- ध. मात्रात्मक पैरामीटर जैसे उत्पादन और बिक्री मात्रा में क्रृष्णात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है। बाजार हिस्से में गिरावट आई है और मालसूची काफी उच्च है। अतः, मात्रात्मक वृद्धि को संतोषजनक नहीं कहा जा सकता है। यहां तक कि कीमत पैरामीटर्स जैसे लाभ, ब्याज एवं कर पूर्व लाभ, नकद लाभ और निवेश पर अर्जन में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हो रही है परंतु वह सकल रूप से असंतोषजनक है। घरेलू उद्योग अभी भी कीमत अधोविक्रयण का सामना कर रहा है। यह प्रस्तुत किया जाता है कि इस स्तर पर पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिए जाने से घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति होगी।

प्राधिकारी द्वारा जांच

25. घरेलू उद्योग ने सतत पाटन एवं क्षति का आरोप लगाया है और प्रभावी पाटनरोधी शुल्क बढ़ाए जाने का अनुरोध किया है। वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच सतत पाटन एवं क्षति की स्थिति अथवा पाटन एवं क्षति की संभावना का आकलन करने तथा प्रभावी पाटनरोधी शुल्क की निरंतरता/संवर्धन की जरूरत की समीक्षा करने के लिए है।
26. सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम की धारा 9(क)(5) के अनुसार अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क यदि उसका पहले प्रतिसंहरण नहीं कर लिया जाता है, तो ऐसे अधिरोपण की तरीख से पांच वर्ष की समाप्ति पर निष्प्रभावी हो जाएगी, बशर्ते कि केंद्रीय सरकार का एक समीक्षा में यह विचार अभिव्यक्त करे कि उक्त शुल्क के समापन से पाटन एवं क्षति की निरंतरता अथवा पुनरावृत्ति होने की संभावना है, तो यह समय-समय पर, उक्त अधिरोपण को पांच वर्ष की अन्य अवधि के लिए बढ़ा सकती है और यह अतिरिक्त अवधि ऐसे विस्तार के आदेश की तारीख से शुरू हुई मानी जाएगी।

27. डब्ल्यू टी ओ करार के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में पाठित आयातों की मात्रा प्रभाव के संबंध में (क) पाठित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समरूप उत्पाद की कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव; और (ख) इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव दोनों की उद्देश्यपूरक जांच करने का प्रावधान है। पाठित आयातों के मात्रा प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या आयातों में भारत में उत्पादन अथवा खपत के निरूपाधि रूप में या संगत रूप में भारी वृद्धि हुई है। पाठित आयातों की कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में, पाठित आयातों, द्वारा भारी कीमत अधोरदन हुआ है, अथवा क्या इन आयातों का प्रभाव अन्यथा भारी मात्रा में कीमतों का अवमंदन करता अथवा इन कीमतों को बढ़ने से रोकता जो अन्यथा भारी मात्रा में घटित हुआ होता।

28. घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नलिखित उल्लेख है :

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच में उन सभी संगत आर्थिक कारकों और देशनांकों का मूल्यांकन शामिल होता है जिनका घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव होता है जिनमें बिक्री, लाभ, आउटपुट, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर अर्जन अथवा क्षमता उपयोग में प्राकृतिक और संभावित गिरावट, घरेलू कीमतों पर प्रभाव डालने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकदी प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित क्रृष्णात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, वेतन, वृद्धि, पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता शामिल होते हैं।"

29. क्षति की वर्तमान स्थिति का आकलन करने के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने क्षति की मौजूदगी तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों, यदि कोई, की जांच करने के लिए संबद्ध वस्तु के पाठित आयातों का घरेलू उद्योग पर मात्रा एवं कीमत प्रभाव तथा कीमतों एवं लाभप्रदायकता पर इसके प्रभाव की जांच की है। प्राधिकारी क्षति पैरामीटरों के विश्लेषण के बारे में पक्षकारों द्वारा व्यक्त चिंता को नोट करते हैं और सभी अधिदेशित क्षति पैरामीटरों का विश्लेषण करके उसका समाधान करते हैं। प्राधिकारी ने अपने विश्लेषण के लिए डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों को अपनाया है।

I. मात्रा प्रभाव : पाठित आयातों का मात्रा प्रभाव तथा घरेलू उद्योग पर उसका प्रभाव

मांग एवं बाजार हिस्सा

30. प्राधिकारी ने देश में इस उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत का निर्धारण भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री तथा सभी स्रोतों से आयातों के जोड़ के रूप में किया है। इस तरह आकलित मांग को अधोलिखित तालिका में देखा जा सकता है :

आयात मात्रा	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि	
				(2011-12)	
-चीन जन.गण. (संबद्ध देश)	मी.ट	2,733	2,579	7,905	10,606

	न				
-वह देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है	मी.ट न	10,462	16,189	25,613	12,957
-अन्य देश	मी.ट न	110	1,153	1,851	3,071
कुल आयात	मी.ट न	13,304	19,922	35,368	26,635
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट न	22,353	22,550	25,122	23,071
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी.ट न	23,765	22,647	10,869	22,610
भारत में कुल खपत/मांग	मी.ट न	59,422	65,119	71,359	72,316
कुल भारतीय उत्पादन	मी.ट न	48,498	45,099	35,894	45,877
निम्नलिखित के संबंध में चीन जन.गण. से आयात					
-कुल आयात	%	20.54%	12.95%	22.35%	39.82%
-कुल खपत/मांग	%	4.60%	3.96%	11.08%	14.67%
-कुल भारतीय उत्पादन	%	5.63%	5.72%	22.02%	23.12%

31. यह देखा जा सकता है कि इस उत्पाद की मांग में आधार वर्ष की तुलना में बढ़ाने की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। जांच की अवधि में, चीन जन.गण. से आयातों में वृद्धि हुई तथा जांच की अवधि के दौरान चीन जन.गण. ने एक बहुत बड़े बाजार हिस्से पर अपनी पकड़ बना ली।

आयात मात्रा एवं बाजार हिस्सा

32. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में उत्पादन या खपत के संपूर्ण या संगत रूप में पाटित आयातों में भारी वृद्धि हुई है।

आयात मात्रा		2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि

चीन से आयात	मी.टन	2,733	2,579	7,905	10,606
निम्नलिखित के संबंध में चीन से आयात-					
कुल आयात	%	20.54%	12.95%	22.35%	39.82%
कुल खपत/मांग	%	4.60%	3.96%	11.08%	14.67%
कुल भारतीय उत्पादन	%	5.63%	5.72%	22.02%	23.12%

33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी के बावजूद संपूर्ण क्षति अवधि में आयातों में भारी एवं सतत वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से इन आयातों में भारत में कुल आयात, भारतीय उत्पादन और खपत/मांग के संबंध में भी वृद्धि हुई है।

II. कीमत प्रभाव : पाठित आयातों का कीमत प्रभाव और घरेलू उद्योग पर उसका प्रभाव

34. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों का घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत अधोरदन और कीमत अधो-बिक्रयण के संदर्भ में की गई। इस विश्लेषण के प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्रापण (एनएसआर) और गैर-क्षतिकारी कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देश से आयातों के उत्तराई मूल्य से की गई। जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के पाठित आयातों के उत्तराई मूल्य तथा घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमत के प्रापण का निर्धारण करने में करों, रिवेटों, डिस्काउंट तथा घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान कराई गई कमीशन का समायोजन किया गया है। प्राधिकारी ने एक गैर-क्षतिकारी कीमत का आकलन किया और उसकी तुलना उत्तराई मूल्य से की। घरेलू उद्योग के लिए गैर-क्षतिकारी कीमत का निरूपण जांच की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर समुचित रूप से विचार करते हुए किया गया है।

कीमत अधोरदन एवं अधोबिक्रयण

35. जांच की अवधि के दौरान कीमत अधोरदन/अधोबिक्रयण प्रभाव की जांच निम्नवत की गई है:-

तकनीकी ग्रेड

		2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
निवल बिक्री प्रापण	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
उत्तराई कीमत	रुपए/मी.टन	***	***	***	***

कीमत अधोरदन	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
कीमत अधोरदन%	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन रेंज		(25-35)	8-15	8-15	12-25
गैर-क्षतिकारी कीमत	रुपए/मी.टन				***
उत्तराई कीमत	रुपए/मी.टन				***
कीमत अधोविक्रयण	रुपए/मी.टन				***
कीमत अधोविक्रयण %	%				***
कीम अधोविक्रयण रेंज					13-22

खाद्य ग्रेड

विवरण		2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
निवल विक्री प्रापण	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
उत्तराई कीमत	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन रेंज	%	50-100	40-80	40-80	20-50
गैर-क्षतिकारी कीमत	रुपए/मी.टन				***
उत्तराई कीमत	रुपए/मी.टन				***
कीमत अधोविक्रयण	रुपए/मी.टन				***
कीमत अधोविक्रयण	%				***

कीमत अधोविक्रयण रेज					40-55
---------------------	--	--	--	--	-------

36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों की उत्तराई कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत तथा गैर-क्षतिकारी कीमत से कम है, इसके परिणामस्वरूप भारी कीमत अधोरदन एवं अधोविक्रयण हुआ।

कीमत निग्रहण/अवमंदन

37. कीमत निग्रहण एवं अवमंदन प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने जांच की अवधि तथा क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की प्रति यूनिट बिक्री लागत तथा बिक्री कीमत की जांच की। इस संबंध में प्रवृत्तियां अधोलिखित तालिका में दी गई हैं :

तकनीकी ग्रेड

विवरण	मापन की इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
बिक्री लागत	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	77	82	86
बिक्री लागत	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	72	79	91

खात्य ग्रेड

विवरण	मापन की इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
बिक्री लागत	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	67	81	91
बिक्री लागत	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	56	55	57

38. उपर्युक्त से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में कमी आई है। तथापि, बिक्री कीमत, जो उसी अवधि के दौरान कम हो गई थी, में भी बिक्री लागत की तुलना में कुछ न कुछ बढ़ने की प्रवृत्ति, प्रदर्शित होती है।

III. क्षति तथा अन्य पैरामीटरों की जांच

39. नियमावली के अनुबंध ॥ में यह अपेक्षा की जाती है कि क्षति के निर्धारण में संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की उद्देश्यपरक जांच अंतर्गस्त होती है। इसके अतिरिक्त नियमावली के अनुबंध-॥ (IV) में निम्नलिखित विनिर्दिष्ट है :-

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक तथ्यों तथा उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले अन्य सभी कारकों जिसमें बिक्री, लाभ, आउट-पुट, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता के उपयोग में प्राकृतिक और संभावित गिरावट; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले तथ्यों, पाठन के मार्जिन की वास्तविक मात्रा तथा नकदी प्रवाह पर संभावित नकारात्मक प्रभाव, माल सूची, रोजगार, वेतनवृद्धि, पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाना शामिल होगा।"

उत्पादन, क्षमता एवं क्षमता उपयोग

40. निम्नलिखित तालिका से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में गिरावट आई है।

		2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
क्षमता	मी. टन	29,730	29,730	29,730	29,730
उत्पादन	मी. टन	24,842	22,317	24,790	23,800
क्षमता उपयोग	%	84%	75%	83%	80%

बिक्री

41. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है :-

		2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा	मी. टन	22,353	22,550	25,122	23,071
मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	%	37.62	34.63	35.20	31.90

42. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में, जो वर्ष 2010-11 तक बढ़ रहा था, जांच की अवधि में इस तथ्य के बावजूद भी गिरावट आई कि भारत में इस उत्पाद की पर्याप्ति मांग है।

43. प्राधिकारी पुनः यह नोट करते हैं कि आधार वर्ष तथा उसके पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी आई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट पर

चीन जन.गण. से आयातों द्वारा कब्जा कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त, पाटनरोधी शुल्क प्रभावी होने के बावजूद आयातों की मात्रा पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क का कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

लाभ/हानि, निवेश पर अर्जन और नकदी प्रवाह

44. निवेश पर अर्जन, ब्याज पूर्व एवं ब्याज पश्चात् लाभ/हानि, निवेश पर अर्जन तथा नकदी प्रवाह को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

		2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
विक्री लागत	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
विक्री लागत अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	77	82	86
विक्री कीमत	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
विक्री कीमत अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	72	79	91
लाभ/हानि	रुपए/मी.टन	***	***	***	***
लाभ/हानि अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	(75)	(14)	229
लाभ/हानि	रुपए/लाख	***	***	***	***
लाभ/हानि अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	(75)	(16)	217
नकद लाभ	रुपए/लाख	***	***	***	***
नकद लाभ अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	30	54	151
निवेश पर अर्जन	%	***	***	***	***
निवेश पर अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	(37)	18	192

45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को कुछ राहत प्राप्त हुई जो आधार वर्ष में अर्जित लाभ से देखा जा सकता है। वर्ष 2009-10 और 2010-11 में, घरेलू उद्योग को नुकसान हुआ, जो जांच की अवधि में लाभ में परिवर्तित हो गया।

मालसूची

46. घरेलू उद्योग की मालसूची स्थिति निम्नलिखित रही है :

		2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
औसत स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	169	149	157
बिक्री के दिनों की संख्या के लिए औसत स्टॉक	दिन	***	***	***	***

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में घरेलू उद्योग के औसत स्टॉक में वृद्धि हुई है। स्टॉक, जो आधार वर्ष में 21 दिनों की बिक्रियों के बराबर था, जांच की अवधि में बढ़कर 35 दिनों की बिक्रियों के बराबर हो गया।

रोजगार एवं वेतन

48. घरेलू उद्योग की रोजगार एवं वेतन की स्थिति निम्नलिखित है :

		2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
रोजगार	संख्या	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	110	109	101
वेतन	लाख रुपए	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	162	165	167

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में मामूली सी सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है और इसी समय के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त वेतन में संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

उत्पादकता

50. घरेलू उद्योग की उत्पादकता से संबंधित सूचना निम्नलिखित है :

		2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
उत्पादकता प्रतिदिन	मी.टन/दिवस	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	90	100	96

प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.टन/सं.	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	82	92	95

51. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में, आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में प्रतिदिन उत्पादन और प्रति कर्मचारी उत्पादन दोनों रूपों में गिरावट आई है।

वृद्धि

52. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि में घरेलू उद्योग ने बाजार हिस्सा खो दिया, जिसे चीन से आयात ने हस्तगत कर लिया, इसका परिणाम घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री पर देखा जा सकता है। जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची में आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है। निवेश पर अर्जन और लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग ने सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित की है।

पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता

53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कंपनी है। उनकी और अधिक निवेश उगाहने की क्षमता इस जांच में संगत कारक नहीं है।

54. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए यह नोट किया जाता है कि :

क. चीन से आयातों की मात्रा में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में वृद्धि हुई है।

ख. कीमत अधोरदन/अधोबिक्रयण प्रचलित पाटनरोधी शुल्क के बिना सकारात्मक है।

ग. उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा में बाजार हिस्से के रूप में घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में गिरावट आई है।

घ. लाभ एवं निवेश पर अर्जन के रूप में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

कारणात्मक संबंधों तथा अन्य ज्ञात कारकों की जांच

55. पाटन एवं क्षति की संभावना की जांच करने के अतिरिक्त, प्राधिकारी को पाटन एवं क्षति की संभावना की जांच और इस तथ्य को ध्यान में दिए बिना कि समीक्षा जांच की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का कोई आयात हुआ कि नहीं, शुल्क की निरंतरता की आवश्यकता की जांच करना अपेक्षित होता है। प्राधिकारी ने यह जांच की कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य पैरामीटरों ने घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति में अपना योगदान दिया है या नहीं। इसे निम्नवत नोट किया जाता है :-

(i) पाटित कीमतों पर बिक्री न किए गए आयातों की मात्रा एवं कीमत

56. प्राधिकारी ने पाया कि विचाराधीन उत्पाद का अन्य देशों से आयात पर या तो पाठनरोधी शुल्क लगा है या इसकी मात्रा नगण्य है।

(ii) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं तथा विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

57. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रिया नहीं है। इसके अतिरिक्त, सिवाय इसके कि बाजार अर्थव्यवस्था स्पष्ट है, घरेलू उत्पादकों के बीच कोई बोधगम्य प्रतिस्पर्धा नहीं है।

(iii) मांग में संकुचन तथा खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन

58. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान मांग में कोई संकुचन नहीं हुआ। अतः मांग में संकुचन ने घरेलू उद्योग को क्षति कारित नहीं की है।

(iv) निर्यात निष्पादन

59. संबंधित उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की कोई महत्वपूर्ण निर्यात गतिविधि नहीं है। अतः, निर्यात निष्पादन ने घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को प्रभावित नहीं किया है।

क्षति एवं क्षति मार्जिन का परिमाण

60. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की प्राधिकारी द्वारा यथा निर्धारित गैर-क्षतिकारी कीमत की तुलना जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए संबद्ध देश से नियर्तों के उत्तराई मूल्य से की गई। इस प्रकार तुलना की गई क्षति मार्जिन का परिकलन निम्नवत किया गया है :-

विवरण	यूनिट	तकनीकी ग्रेड	खाद्य ग्रेड	औसत
गैर-क्षतिकारी कीमत	रुपए/मी.टन	***	***	***
उत्तराई कीमत	रुपए/मी.टन	***	***	***
क्षति मार्जिन	रुपए/मी.टन	***	***	***
क्षति मार्जिन	%	***	***	***
क्षति मार्जिन रेंज		13 से 22	45 से 55	20 से 30

61. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष निकालते हैं :

- क. पाटनरोधी शुल्क प्रभावी होने के बावजूद, चीन के निर्यातकों का भारतीय बाजार में भारी हिस्से पर नियंत्रण है।
- ख. पाटनरोधी शुल्क के बावजूद आयातों की उत्तराई कीमत घरेलू बिक्री कीमत से कम है।
- ग. संबद्ध वस्तु भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक है।
- घ. संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात में आधार वर्ष तथा उसके पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान पर्याप्त वृद्धि हुई है और यह मौजूदा क्षति अवधि में निरपेक्ष रूप से अत्यधिक ही बना रहा।
- ड. पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी के बावजूद संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयात पाटित कीमतों पर जारी रहा।
- च. पाटनरोधी शुल्क सहित तथा पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत अधोरदन सकारात्मक और पर्याप्त बना रहा।
- छ. पाटनरोधी शुल्क सहित तथा पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत अधोविक्रयण प्रभाव सकारात्मक है।
- ज. घरेलू उद्योग की समग्र आर्थिक स्थिति में लाभप्रदायकता एवं निवेश पर अर्जन के रूप में सुधार हुआ है।
- झ. भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक है।

ज. पाटन एवं क्षति की निरंतरता/पुनरावृत्ति की संभावना

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच के दौरान न तो संबद्ध देश के उत्पादक/निर्यातक ने और न ही संबद्ध वस्तु के भारतीय आयातकों ने कोई प्रस्तुतीकरण किया। प्राधिकारी ने पाटन एवं क्षति की पुनरावृत्ति/निरंतरता की संभावना की जांच की तथा निम्नवत नोट किया :

विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

63. किसी भी विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार ने इस जांच का प्रत्युत्तर नहीं दिया और इस प्रकार इस संबंध में कोई प्रस्तुतिकरण नहीं है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

64. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए हैं :

- क. विचाराधीन उत्पाद का चीन जन.गण. से पाटन, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किए जाने के पश्चात् भी जारी रहा। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस उत्पाद के संबंध में जांच इससे पहले भी की थी और उसके भारत में संबद्ध उत्पाद का

भारी पाटन नोट किया था। यह प्रस्तुत किया जाता है कि संबद्ध देश से पाटन बाजार में पक्षपातरहित प्रतिस्पर्धा को प्रतिवंधित कर रहा है जिसका अंतिम प्रभाव संबंधित उत्पाद के उपभोक्ता के हित पर पड़ेगा।

ख. पाटन एवं क्षति की या तो "निरंतरता" हो सकती है अथवा पाटन एवं क्षति की निरंतरता के अभाव में पाटन एवं क्षति की पुनरावृत्ति की समीक्षा हो सकती है। अतः, निर्णयिक समीक्षा के नियमों तथा अन्य प्रावधानों में एक ऐसी स्थिति की स्पष्ट रूप से परिकल्पना की गई है जहां पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने के पश्चात् घरेलू उद्योग को निरंतर क्षति सहन नहीं करनी होगी। पाटन एवं क्षति की संभावना की निम्नलिखित स्थिति/समीकरण बन सकते हैं।

I. संबद्ध देश से संबंधित उत्पाद के सतत आयातों के मामले में :

- (i) पाटन जारी रहा और क्षति की निरंतरता भी बनी रही।
- (ii) पाटन जारी रहा परंतु शुल्क लागू होने के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई।
- (iii) पाटन एवं क्षति की निरन्तरता नहीं रही। इसके अतिरिक्त, शुल्क का प्रतिसंहरण कर लेने के परिणामस्वरूप क्षति जारी रही या अधिक तीव्र हो गई।
- (iv) शुल्क का प्रतिसंहरण कर लेने की स्थिति में पाटन एवं क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

II. यदि संबद्ध देश से संबंधित उत्पाद के आयात नहीं होते हैं तो -

- (i) पाटन नहीं है परंतु शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिए जाने की स्थिति में पाटन पुनः शुरू हो सकता है।
- (ii) कोई क्षति नहीं है तथापि, पाटन की पुनरावृत्ति होगी जिससे क्षति की पुनरावृत्ति होने लगेगी।

ग. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति की जांच पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3 तथा पाटनरोधी नियमावली 1995 के अनुबंध-II के अंतर्गत विनिर्धारित ढंग के अनुरूप किया जाना अपेक्षित होता है।

घ. नियम 23(3) में उल्लिखित वाक्यांश "यथावश्यक परिवर्तनों सहित" यह स्वीकार करता है कि घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन के संबंध में विभिन्न पैरामीटरों में सुधार हो सकता है। अतः, जांचकर्ता प्राधिकारी को चाहिए कि वह मामले की जांच यथावश्यक परिवर्तनों सहित करें।

ड. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मूल जांच में महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक पाटन मार्जिन का निर्धारण किया था जैसा कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट है :

निर्यातक का नाम	पाटन मार्जिन (%)
मैसर्स युन्नान कैमफास कारपोरेशन	43.14%
असहयोगकर्ता उत्पादक एवं निर्यातक	55.42%

च. इस समय निर्धारित पाटन मार्जिन भी न केवल निर्धारित सीमा से अधिक है बल्कि यह भारी मात्रा में भी है। सतत एवं सकारात्मक पाटन मार्जिन स्पष्टतः दर्शाता है कि शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिए जाने की स्थिति में पाटन की निरंतरता बने रहने की संभावना है।

छ. निर्यातों की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है। अधिक महत्वपूर्ण यह है कि निर्यात की मात्रा में यह वृद्धि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किए जाने के बावजूद और पाटित कीमतों पर हुई है। अतः, यह नहीं कहा जा सकता है कि शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिए जाने की स्थिति में पाटन की निरंतरता नहीं होगी।

ज. चीन जन.गण. में उत्पादनकर्ताओं की फास्फोरिक एसिड का भारी मात्रा में उत्पादन करने की क्षमता है। पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिए जाने के मामले में संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा में निश्चित रूप से भारी वृद्धि होगी।

झ. चीन से होने वाले आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन हो रहा है। चीन जन.गण. के उत्पादक एवं निर्यातक इस स्थिति में हैं कि यदि वे अपना प्रापण बढ़ा दें तब भी उनके लिए बेहतर बाजार अवसर बने रहेंगे।

अ. संबद्ध देश ने ऐसे बहुत बड़े बाजार हिस्से पर कब्जा कर लिया है जो घरेलू उद्योग ने खो दी है। पाटित आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। यह स्थिति वर्तमान पाटनरोधी शुल्क लगे होने के बावजूद हुई है।

ट. चीन जन.गण. के निर्यातकों की संपूर्ण विश्व में बहुत उच्च निर्यातोन्मुखता है। चीन की कंपनियों का निर्यात निष्पादन 11 प्रतिशत से 100 प्रतिशत के बीच है। अतः, इस स्तर पर यदि पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिया जाता है तो पाटन एवं क्षति की भारी मात्रा में पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

ठ. पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिए जाने की स्थिति में पाटन की निरंतरता जारी रहने तथा उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना बनी रहेगी।

ड. ऐसी स्थिति में जहां घरेलू उद्योग को सतत क्षति नहीं हो रही हो, वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रभावी पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने पर घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होने की जांच करना अपेक्षित होता है। वर्तमान मामले में, पाटनरोधी शुल्क के वर्तमान स्तर के बावजूद चीन जन.गण. से आयात की मात्रा बहुत अधिक है, जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है।

क्र.सं.	वर्ष	यूनिट	आयात मी.टन में
1	2008-09	मी.टन	2,733
2	2009-10	मी.टन	2,579
3	2010-11	मी.टन	7,905
4	2011-12 (वर्तमान जांच में जांच की अवधि)	मी.टन	10,606

झ. संबद्ध देश में उत्पादनकर्ताओं के पास भारी मात्रा में उत्पादन करने की क्षमता है। यह प्रस्तुत किया जाता है कि वर्तमान शुल्क समाप्त कर दिए जाने के मामले में चीन से होने वाले पाटन में निश्चित रूप से वृद्धि होगी और इससे

अंततः घरेलू उद्योग को भारी मात्रा और कीमत क्षति होगी जो इस समय पाटनरोधी शुल्क के संरक्षात्मक कवच के अंतर्गत पुनर्वहाली के स्तर पर है।

ए. चीन जन.गण. के उत्पादनकर्ताओं के पास फास्फोरिक एसिड का उत्पादन करने की भारी क्षमता है। चीन के कुछ उत्पादनकर्ताओं/निर्यातकों की क्षमता, जैसा कि उन्होंने अपनी वेबसाइटों पर उल्लेख किया है, निम्नलिखित तालिका में दी गई क्षमता के अनुरूप है। पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिए जाने के मामले में संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा में निश्चित रूप से भारी वृद्धि होने की संभावना है।

त. घरेलू उद्योग की सुभेद्यता इस तथ्य से संबंधित है कि यदि अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में, प्राधिकारी को यह विचार करना चाहिए कि क्या इसका प्रतिसंहरण अथवा समापन कर दिए जाने की स्थिति में उद्योग की स्थिति में और अधिक गिरावट आएगी। वर्तमान मामले में, पाटित आयातों की सतत मौजूदगी ने घरेलू उद्योग को पाटन के पिछले प्रभाव से उबरने से वंचित कर दिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को या तो पाटनरोधी शुल्क की राशि तक अपनी बिक्री कीमत में कम करनी होगी या मौजूदा बिक्री कीमत को ही अनुरक्षित रखना होगा।

थ. चालू पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में यदि घरेलू उद्योग आयात कीमतों पर ही अपनी बिक्री करने के विकल्प का चयन करता है तो घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा होगा। निवेश पर अर्जन तथा नकद लाभ भी पर्याप्त रूप से क्रृष्णात्मक हो जाएगा। अतः, यह निवेदन किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति का बाजार में कीमतों पर भारी विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

द. संबद्ध देश से आयात मात्रा तथा पाटन मार्जिन के वर्तमान स्तर पर विचार करने से इस आशय की एक बड़ी संभावना सृजित होती है कि शुल्क की समाप्ति कर देने के परिणामस्वरूप, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि संबद्ध देश के पास बेशी क्षमताएं हैं, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का भारतीय बाजार में पाटन बढ़ जाएगा। यह प्रस्तुत किया जाता है कि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क एक प्रतिरोधक का कार्य कर रहे हैं, इसके बावजूद भी आयातों की मात्रा इतनी अधिक है। अतः, इस शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिए जाने का आशय होगा कि भारतीय बाजार में केवल चीन के उत्पादकों का ही आधिपत्य हो जाएगा।

ध. वह कीमत जिस पर चीन से संबद्ध वस्तु का आयात किया जा रहा है, उस कीमत से बहुत कम है जिस पर घरेलू बाजार में उक्त वस्तु की बिक्री की जा रही है। अतः, शुल्क की समाप्ति की स्थिति में निर्यातकरण अपने उत्पादन का भारतीय बाजार में सरणीकरण करेंगे क्योंकि उनके पास उत्पादन की भारी बेशी क्षमता पहले से ही मौजूद है और वे वास्तव में संबद्ध वस्तु की तृतीय देशों को बिक्री पर्याप्त रूप से न्यून कीमतों पर कर रहे हैं। इन सभी परिस्थितियों का परिणाम यह होगा कि घरेलू उद्योग को क्षति की संभावना बढ़ जाएगी।

न. पूर्ववर्ती उल्लेख से यह स्पष्ट होता है कि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क में और अधिक विस्तार किया जाना चाहिए। यह प्रस्तुत किया जाता है कि जांच में प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों को यह सिद्ध करना चाहिए कि पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिए जाने की स्थिति में पाटन की निरतंत्रता अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना नहीं होगी। यह सूचना कि निर्यातकर्ता निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह स्पष्ट करने के लिए सूचना प्रदान करेंगे कि शुल्क का

प्रतिसंहरण कर दिए जाने की स्थिति में पाटन की निरतंत्रता होने की कोई संभावना नहीं होगी, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट प्रश्नावली में सूचीबद्ध है। जब तक निर्यातकर्ता इस सूचना के आधार पर यह स्थापित नहीं कर देते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिए जाने की स्थिति में पाटन एवं क्षति की निरंतरता बने रहने, उसके बढ़ने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की कोई संभावना नहीं है तब तक यह उपपादित किया जाना चाहिए कि पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिए जाने की स्थिति में पाटन बना रहेगा अथवा उसकी पुनरावृत्ति होगी तथा वह और अधिक तीव्र होगा।

प्राधिकारी द्वारा जांच

65. प्राधिकारी ने पाटन एवं क्षति की निरन्तरता/पुनरावृत्ति की संभावना की जांच की और निम्नवत नोट किया :

क. चीन के कुछ उत्पादकों की वेबसाइट तथा अन्य वेबसाइटों पर उपलब्ध सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के इन उत्पादकों के पास संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने की भारी क्षमता है और उनमें से कुछ अपनी उत्पादन क्षमता के 55 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक के निर्यात करने का दावा कर रहे हैं। निम्नलिखित तालिका से यह देखा जा सकता है कि उनकी न्यूनतम ज्ञात वार्षिक उत्पादन क्षमता 5,02,000 मी.टन है।

चीन में उत्पादनकर्ता	उत्पादन क्षमता
लिउज्जाऊ जियान्मी ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड	30,000 मी.टन
शिजिआज्जुआंग लिआओ कैमिकल कंपनी लिमिटेड	12,000 मी.टन
गुआंगक्सी यिझुओयु यिशेग फाइन कैमिकल कंपनी लिमिटेड	40,000 मी.टन
क्विन झाउरोंग डि कैमिकल्स कंपनी लिमिटेड	20,000 मी.टन
लिआनझिंग कैमिकल कंपनी लिमिटेड	35,000 मी.टन
युन्नान कैम्फास कारपोरेशन	30,000 मी.टन
गुआंगक्सी, क्विनझाऊ कैपिटल सक्सेस कैमिकल कंपनी लिमिटेड	20,000 मी.टन
किंवंगझाऊ केडी कैमिकल कंपनी लिमिटेड	10,000 मी.टन
स्कार्डिलैंड कैमिकल कारपोरेशन लिमिटेड	5,000 मी.टन
युन्नान युन्निआनहुआ इंटरनेशनल कंपनी लिमिटेड	3,00,000 मी.टन
चीन जन.गण. में ज्ञात न्यूनतम क्षमता	5,02,000 मी.टन

ख. उपर्युक्त से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन के उत्पादकों की न्यूनतम ज्ञात उत्पादन क्षमता 5,02,000 मी. टन है जो भारत में मांग जो जांच की अवधि में केवल 72316 मी. टन थी, की तुलना में बहुत अधिक है। चीन के उत्पादनकर्ताओं की न्यूनतम ज्ञात उत्पादन क्षमता जांच की अवधि में कुल भारतीय मांग से 700 प्रतिशत से भी अधिक थी। इस परिदृष्टि में यदि पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिया जाता है तो चीन के उत्पादनकर्ताओं/निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

ग. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद के चीन जन.गण. से तृतीय देशों को निर्यातों के लिए चीन के सीमा शुल्क में संव्यवहार-वार निर्यात आंकड़े भी उपलब्ध कराए हैं। इस जांच के संबंध में चीन से निर्यातकर्ताओं और भारत में आयातकों से प्राप्त किसी भी प्रत्युत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने इन्हीं आंकड़ों पर भरोसा किया और उनका ही विश्लेषण किया है। इन आंकड़ों से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन.गण. ने इस विचाराधीन उत्पाद का भारत के अलावा अन्य देशों को 5,13,747 मी.टन का आयात किया है, जिसका आशय है कि चीन में कुल उत्पादन क्षमता न्यूनतम उत्पादन क्षमता से कहीं अधिक है। इसके अतिरिक्त अन्य देशों को यह निर्यात 802 अमरीकी डालर प्रति मी.टन (एफ ओ बी) की औसत कीमत पर किया गया है जो, इन निर्यातों की तुलना चीन में विनिर्मित सामान्य मूल्य से किए जाने पर, पाटित कीमत है। यह पाटित निर्यात भारतीय मांग से 700 प्रतिशत से अधिक है। इसके अतिरिक्त, यदि इन निर्यातों को भारत की ओर विपथित कर दिया जाता है तो इन निर्यातकों की उत्तराई कीमत घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत से बहुत कम रहेगी। अतः, यह निर्यात, जो कुल भारतीय मांग से 700 प्रतिशत से भी अधिक है, पाटित है तथा क्षतिकारी कीमतों पर है।

66. पाटन, क्षति तथा पाटन एवं क्षति की संभावना के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में आ रही है और पाटन मार्जिन बहुत अधिक है, यह पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति भी कारित कर रहे हैं तथा उक्त क्षति मार्जिन भी बहुत अधिक है; इस कारण वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में ऐसी संभावना है कि संबद्ध देश इस संबद्ध वस्तु को पाटित एवं क्षतिकारी कीमतों पर भारत को विपथित कर देगा।

झ. भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे

67. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण भारत में इस उत्पाद के कीमत स्तर को प्रभावित कर सकता है। तथापि, पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से पाटित प्रक्रियाओं द्वारा अर्जित अनुचित लाभ समाप्त हो जाएगा; यह घरेलू उद्योग को पतन से बचाएगा तथा संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में सहायता करेगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण संबद्ध देश से आयातों को

किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं करेगा और इस कारण, इससे उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उपभोक्तागण अभी भी इसकी आपूर्ति को दो या उससे अधिक मोत बनाए रख सकते हैं।

68. सामान्यतः, पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा घरेलू उद्योग को कारित की जाने वाली क्षति का उपशमन करना होता है जिससे कि भारतीय बाजार में मुक्त एवं पक्षपात रहित प्रतिस्पर्धा पुनः स्थापित हो सके जो देश के सामान्य हित में होती है। अतः, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण का उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा पश्चात किया गया प्रकटन पश्चात् विवरण प्रस्तुतिकरण

अ.1 विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया प्रकटन पश्चात् विवरण प्रस्तुतिकरण

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक आयातक प्रयोक्ता मैसर्स सन्दीप आर्गेनिक्स प्रा. लिमिटेड, मुम्बई ने दावा किया है कि वह इस जॉन्च में एक हितबद्ध पक्षकार है। अतः, प्राधिकारी ने उक्त आयातक को प्रकटन विवरण प्रेषित किया परन्तु आयातकर्ता ने इस प्रकटन विवरण के संबंध में कोई प्रस्तुतिकरण दायर नहीं किया। किसी भी अन्य निर्यातक/आयातक/प्रयोक्ता तथा विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार ने इस प्रकटन विवरण का प्रत्युत्तर नहीं दिया है।

अ.2 घरेलू उद्योग द्वारा किया गया प्रकटन पश्चात विवरण प्रस्तुतिकरण

70. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया प्रकट पश्चात विवरण प्रस्तुतिकरण संक्षेप में निम्नलिखित है :-

क) निर्धारित की गई गैर क्षतिकारी कीमत बहुत कम है। कच्चे माल के उपयोग को अनिवार्यतः सर्वोत्तम प्राप्त स्तर के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। खपत किए गए वास्तविक कच्चे माल और उपयोज्य वस्तुओं पर ही विचार किया जाना चाहिए। गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण करने का आधार वास्तविक उत्पादन होना चाहिए और गैर क्षतिकारी कीमत के लिए प्रयोग किया गया उत्पादन भार वही होना चाहिए जो किसी विशिष्ट कंपनी की गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण करने के लिए उत्पादन का प्रयोग किया गया।

ख) निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए मूल्यवर्धित कर की प्रतिअदायगी के कारण समायोजित की गई लागत की राशि स्पष्ट नहीं है। वेबसाइट के साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि फास्फोरिक एसिड के लिए मूल्यवर्धित कर प्रतिअदायगी उपलब्ध नहीं है। अतः मूल्यवर्धित कर लागत 17 % है जिसका निर्यात कीमत से समायोजन किया जाना चाहिए।

ग) देश में सम्बद्ध वस्तु का सतत पाटन हुआ है और पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी के बाबजूद घरेलू बाजार में आयातों के भारी हिस्से का नियंत्रण है।

- घ) सकारात्मक साक्ष्य के आधार पर स्थापित तथ्य एवं परिस्थितियाँ यह स्पष्टतः दर्शाती हैं कि पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति कर देने की स्थिति में घरेलू उद्योग को पाटन एवं परिणामी क्षति की पूर्ण संभावना है।
- इ.) यद्यपि घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है, परन्तु यह तर्कसंगत स्तर से अभी भी कम है।
- च) पाटन एवं क्षति मार्जिन सकारात्मक एवं काफी है।
- छ) आयात घरेलू कीमतों का अधोरदन कर रहे हैं और अधोरदन का मार्जिन सकारात्मक है। अतः, पाटनरोधी शुल्क वापस लिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें कम करने के लिए मजबूर किया जाएगा। इस कारण पाटनरोधी शुल्क समाप्ति का विपरीत प्रभाव होगा।
- ज) मापन का स्वरूप अमरीकी डालर में अभिव्यक्त निश्चित प्रमाणा के रूप में देखा जाएगा।

अ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

71. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस जांच में घरेलू उद्योग के अलावा अन्य किसी ने भी प्रत्युत्तर नहीं दिया। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों की जांच की और यह नोट करते हैं कि उनमें से अधिकांश दुहराए गए हैं और उनका इस अधिसूचना में उपयुक्त शीर्षकों के अंतर्गत समुचित समाधान कर दिया गया है। जहां तक इस तर्क का सम्बन्ध है कि फास्फोरिक एसिड ग्रीन और आर्थो फास्फोरिक एसिड के आयातों को भी खाद्य ग्रेड फास्फोरिक एसिड के रूप में माना जाना चाहिए, प्राधिकारी ने इस तर्क की जांच की है और उसे न्यायोचित पाया तथा उसे स्वीकार कर लिया है। इस तर्क के संबंध में कि निर्धारित की गई गैर-क्षतिकारी कीमत कम है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण सत्यापित आंकड़ों के आधार पर तथा प्राधिकारी की संगत क्रियाप्रणाली के अनुरूप पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार किया गया है। मूल्यवर्धित कर प्रतिअदायगी के तर्क के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वीएटी अंतर का निर्धारित पाटन मार्जिन से समायोजन पहले ही कर दिया गया है।

अ. निष्कर्ष एवं सिफारिश

72. दिए गए तर्कों, प्रदान कराई गई सूचना और घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों तथा प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और उपर्युक्त विश्लेषण, जिसमें पाटन एवं क्षति की निरन्तरता की संभावना और घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रकटन विवरण पश्चात प्रस्तुतिकरणों का विश्लेषण शामिल है, के आधार पर प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष निकालते हैं और सिफारिश करते हैं कि –

- i) संबद्ध वस्तु भारतीय बाजार में पाटित और क्षतिकारी कीमतों पर प्रवेश कर रही है।

- ii) संबद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के आयात मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद पाटित कीमतों पर निरन्तर बने हुए हैं।
- iii) घरेलू उद्योग की समग्र आर्थिक स्थिति में लाभप्रदायकता तथा निवेश पर अर्जन के रूप में सुधार हुआ है परन्तु पाटनरोधी शुल्क सहित और उसके बिना कीमत अधोरदन सकारात्मक एवं पर्याप्त है। पाटनरोधी शुल्क सहित और उसके बिना कीमत अधोरदन प्रभाव भी सकारात्मक है।
- iv) मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में सम्भावना है कि संबद्ध देश सम्बद्ध वस्तु का भारत को विपथन पाटित एवं क्षतिकारी कीमतों पर करेंगे।

73. इस प्रकार, प्राधिकारी, घरेलू उद्योग को पाटन एवं क्षति की संभावना को दूर करने के उद्देश्य से, प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के सभी तरह के आयातों पर अधिरोपित निर्णायिक पाटनरोधी शुल्क की निरन्तरता बनाए रखने की सिफारिश करना जरूरी समझते हैं।

74. प्राधिकारी द्वारा न्यूनतम शुल्क नियम का अनुपालन किए जाने के संबंध में प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के न्यूनतर के बराबर निर्णायिक पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग की क्षति दूर की जा सके। तदनुसार, यूरोपियन यूनियन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर, अधोलिखित तालिका में उल्लिखित राशि के अनुरूप निर्णायिक पाटनरोधी शुल्क केंद सरकार द्वारा जारी अधिसूचना की तारीख से अधिरोपित करने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	प्रशुल्क मद	वस्तु का विवरण	विनिर्देशन	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	मापन की इकाई	मुद्रा
1	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	280920	"फास्फोरिक एसिड	तकनीकी ग्रेड एवं खाद्य ग्रेड (औद्योगिक ग्रेड सहित)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई	कोई	249.38	मी.टन	अमरीकी डालर
2	वही	- वही	वही	चीन जन.गण.	चीन जन. गण. के अलावा कोई अन्य देश	कोई	कोई	249.38	मी.टन	अमरीकी डालर
3	- वही -	वही	वही	चीन जन.गण. के अलावा कोई अन्य देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	249.38	मी.टन	अमरीकी डालर

75. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ आयातों का उत्तराई मूल्य, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धारित आकलनीय मूल्य होगा और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क के अन्य सभी शुल्क शामिल होंगे।

76. केंद्रीय सरकार के इस आदेश के विरुद्ध सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद कर एवं सेवाकर अपीलीय अधिकरण में अपील की जा सकती है।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th November, 2013

(Final Findings)

Subject: -Sunset Review anti-dumping investigation concerning imports of ‘Phosphoric Acid-Technical Grade and Food Grade (including Industrial Grade)’ originating in or exported from China PR.

No. 15/1010/2012-DGAD.- Whereas having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time, and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time.

A. BACKGROUND

1. Whereas having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD Rules), definitive anti-dumping duty was originally recommended by the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) on import of ‘Phosphoric Acid-Technical Grade and Food Grade (including Industrial Grade)’ (hereinafter referred to as the subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as the subject country) vide Notification No. 14/7/2006-DGAD dated 3rd January, 2008 and whereas the Ministry of Finance implemented the recommendation vide its Notification No. 17/2008-Customs dated 19th February, 2008.

2. Whereas M/s. Gujarat Alkalies & Chemicals Limited and M/s. Punjab Chemicals & Crop Protection Ltd. (also referred to as “petitioner companies” or “petitioners”) filed a petition under section 9A (5) of the Customs Tariff Act, 1975, read with Rule 23 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, before the Designated Authority requesting Sunset Review of anti-dumping duties earlier imposed on imports of Phosphoric Acid-Technical Grade and Food Grade (including Industrial Grade) originating in or exported from China PR. The petitioners have claimed that cessation of anti-dumping duties imposed on the subject goods from the subject country is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury and they have, therefore, requested the Authority for extension of duties already in place.

3. And, whereupon in accordance with Section 9A (5) of the Act, read with Rule 23 of the AD Rules, the Authority issued a public notice dated 10th September, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the sunset review investigation to review the need for continued imposition of duties in force and to examine as to whether the cessation of such duties is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

4. And, whereas the antidumping duties as notified were extended up to 12th September, 2013 vide Notification No. 45/2012-Customs (ADD) dated 25th September, 2012 in terms of Section 9(A)(5) of the Act.

B. PROCEDURE

5. In this investigation, the procedure described herein-below has been followed:

a. The Embassy of the subject country in India was informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules.

b. The Authority sent copies of the initiation notification to the Embassy of the subject country, known exporters/producers from the subject country, known importers and other interested parties, as per the available information. Parties to this investigation were requested to file the questionnaire responses and make their views known in writing within the prescribed time limit.

c. Copies of the questionnaire and the letter sent to the known exporters/producers were also sent to the Embassy of the subject country along with a list of known exporters/producers with a request to advise other exporters/producers, if any, from the subject country to respond to the questionnaires within the prescribed time.

d. Questionnaires were sent to the following known exporters/producers from the subject country in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules to elicit relevant information :

Guangxi Qinzhou Capital Success Chemicals Co. Ltd., 102, The Nanzhu East Street, Qinzhou, Guangxi, China	Liuzhou Xianmi Trading Co. Ltd., 230-1, Donghuan Avenue, Liuzhou, Guangxi, China
Shijiazhuang Liao Chemical Co. Ltd., Western Industrial Park, Wubai Village, Gaoyi County, Shijiazhuang , Hebei, China (Mainland) Zip : 051330	Yunnan Yuntianhua International Chemical Co. Ltd., No. 1417 , Dianchi Road , Kunming, Yunnan, China (Mainland) Zip : 650228
Guangxi Yizhou Yisheng Fine Chemical Co. Ltd., Sanchang, Huaiyuan Town, Yizhou City, Hechi, Guangxi, China (Mainland) Zip: 546300	Jinan Tianqiu Import and Export Co. Ltd., 702, Unit No. 1, Cyberport Building, 16# east road of garden village, Jinan city, Shandong, China
Qin Zhou Rong De Chemicals Co. Ltd., # 6 Shiling Road, Qinzhou City. Qinzhou, Guangxi China 535000	Lianxing chemical Co. Ltd., 10th Floor No. 121 Binjiang Road, Xunyang District Jiujiang City Jiangxi Province
Qingzhou Kedi Chemical Co. Ltd., Qingzhou City Gaoliu Town Dujiayao Village	Guangxi Skyland Corporation Ltd., No. 137 Rd, Guangxi Foreign Bldg., Nanning, Guangxi, China (Mainland)
M/s. Yunnan Chemphos Corporation Dongjiawan building, Dong feng dong lu, Kunming, Yunnan, China	

e. In response thereto, none of the exporter/producer from China responded and provided any questionnaire response.

f. Questionnaires were sent to the following known importers, users and associations of the subject goods in India seeking information.

Albright & Wilson Chemicals I Ltd. Raj Mahal, 84, Veer Nariman Road Mumbai-400 020	Bhavita Chemicals Pvt. Ltd. Plot No. D-7/2 Chemicals & Alkali Society Ltd. Midc, Ttc Industrial Area Navi Mumbai
C.J. Shah & Co. 105, Bajaj Bhavan, 10th Floor Nariman Point Mumbai-400 021	Jaydip Agencies 94, Kazi Syed Street 2/B, Gangavihar Mumbai-400 003
Pharmachem Traders Pvt. Ltd. 11, Pollock Street, 3rd Floor, Calcutta	Betzdearborn India Pvt. Ltd. 15/16 MG Road Bangalore
Fertilizers And Chemicals Travancore Floor Udyog	Madras Fertilizers Ltd. Manali Madras-600 068

Mandamml Po Cochin, Kerala.	
Excel Industries Ltd. 184. S. V. Road Jogeshwari West Bombay-400 102	Hind Lever Chemicals Ltd., A-5 Phase II B Focal Point Rajpura, Punjab
Reliance Industries Ltd. Hari Kunj, Carter Road No. 4 Near Mangal Kunj Borivali East Bombay	Carborandum Universal Ltd., Mfg Unit, Bonded Abrasives PB No. 2272, Ttiruvottiyur
Tonira Pharma Ltd. 301, Yogi Complex 44 Sampatrao Colony Alkapuri Baroda-390005	Berger Auto & Industrial Coat 19, Dda Commercial complex, Kailash Colony Extension New Delhi
LG Electronic India Pvt. Ltd., 221, Okhla Phase III New Delhi-110 020	Sudeep Pharma Ltd., 402, "Yashkamal" Bldg Sayajigunj Baroda-390005
Mangalore Chemicals & Fertilizers Ltd., PO Panambur Mangalore Karnataka-575010	ICI India Ltd., Pharmaceuticals Buisness Ennore Express Highway Ennore Madras-600057
Bharat Electronics Ltd., C 22 - Encl Gangotri Enclave New Delhi-110 019	Tosif Silktex 96, Rabindra Sarani 2nd Floor Kolkata Wb-700073
Torrent Pharmaceuticals Ltd., Bajaj Bhawan Nariman Pt. Bombay-400 021	

- g. None of the importers, users and associations of the subject goods in India responded and provided any questionnaire response.
- h. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is from 1st April, 2011 to 31st March 2012 (12 months). However, injury analysis covers the years Apr'08-Mar'09, Apr'09-Mar'10, Apr'10-Mar'11 and the POI. The data beyond the POI has also been examined to determine the likelihood of dumping and injury.
- h. The imports data for the period of investigation and preceding three years was called from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S).
- i. The Authority made available the non-confidential version of the evidence presented by the interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- j. The Authority has examined the information furnished by the domestic producers to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- k. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 24th July, 2013. The parties which presented their views in the public hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally. The arguments made in the written submissions received from the interested parties have been considered, wherever found relevant, in the Final Findings Notification.
- l. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information and data submitted by the interested parties.
- m. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- n. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has examined the issue on the basis of the 'facts available'.
- o. A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which would have formed the basis of the Final Findings was issued to the interested parties on 26.8.2013. Only the Domestic Industry responded to the Disclosure

Statement and no opposing interested party responded to the said Disclosure Statement. The post Disclosure Statement submissions received from the domestic industry have been considered, to the extent found relevant, in this Final Findings Notification.

p. The original date for issuance of Final Findings was 9.9.2013. The same was extended by the Ministry of Finance up to 9.11.2013 at the request of the Authority.

q. *** marked in this Final Findings Notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the AD Rules.

r. Exchange rate of Rs.48.14 per USD has been taken as per the Ministry of Finance, Government of India Notification.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

Submissions made by the opposing interested parties

6. No opposing interested party has responded to this investigation and hence, there are no submissions by them with regard to the product under consideration and the like article.

Submissions made on behalf of the domestic industry

7. The domestic industry, in brief, has contended as follows:

a. The product under consideration in the present investigation is Phosphoric Acid- Technical Grade and Food Grade (including Industrial Grade).

b. Present petition is for sunset review, continuation and enhancement of anti dumping duty. The product under consideration would remain the same as defined in the original investigation.

c. Phosphoric Acid is normally produced and sold in terms of weight, expressed in Kg or MT.

d. Phosphoric Acid is used for the production of sodium phosphate, calcium phosphate, magnesium phosphate, ammonium phosphate, etc. The subject goods are also being used in Pharmaceutical applications, Beverages, Seed processing, Sugar juice clarification and sugar refining, Food phosphate manufacturing, etc.

e. Goods produced by the them are like article to the imported product from the subject country in terms of parameters such as physical & technical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification.

f. Phosphoric Acid is an inorganic chemical classified under Chapter 28 of the Customs Tariff Act, 1975.

Examination of Authority

8. The product under consideration is ‘Phosphoric Acid- Technical Grade and Food Grade’ (Including Industrial Grade). In the Final Findings dated 3rd January, 2008 of the original anti-dumping investigation, the Designated Authority defined product under consideration as under:

“The Product under consideration in the present investigation is “Phosphoric Acid - Technical Grade & Food Grade” (including industrial grade). Phosphoric Acid is used for the production of sodium phosphate, calcium phosphate, magnesium phosphate, ammonium phosphate, pharmaceutical applications, beverages, seed processing, sugar juice and sugar refining, food phosphate manufacturing, etc. Phosphoric Acid is classified under Customs subheading No. 28092010. The custom classification is however, indicative only and has no binding on the scope of the present investigation.”

9. The Authority holds that the present investigation being a review investigation, the product under consideration remains the same as has been defined in the original investigation. Further, there has been no significant development in the product over the period.

10. Further, the petitioners have submitted that the goods produced by them are like article to the imported product from the subject country in terms of parameters such as physical & technical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification. The Authority further notes that the present investigation is a sunset review investigation and the issues of like article have been already dealt in the previous investigation. Further, no opposing interested party has responded to this investigation and raised any issue in this regard. The Authority, therefore, holds that Phosphoric Acid- Technical Grade and Food Grade' (Including industrial grade) produced by the domestic industry and imported from China PR is the like article within the meaning of the Rules.

D. SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY

Submissions by the opposing interested parties

11. No opposing interested party has responded to this investigation and raised any issue with regard to standing of the domestic industry.

Submissions by the domestic industry

12. Following submissions have been made by the domestic industry:

- a. Application is filed by Gujarat Alkalies & Chemicals Limited and Punjab Chemicals & Crop Protection Ltd., on behalf of the domestic industry.
- b. These companies are the major producers of the subject goods in India.
- c. There are two more producers of the product in India, namely, Solaris Chemtech and Star Chemicals.
- d. Production of the petitioners constitute a major proportion in the total production of the product under consideration in India.
- e. Domestic producers expressly supporting the application account for more than 50 per cent of the total production of the like product produced by the Indian industry.
- f. Petitioners, therefore, satisfy the requirement of standing to file the present petition. Further, participating companies constitute 'Domestic Industry' within the meaning of the AD Rules.

Examination by the Authority

13. Rule 2(b) under the AD Rules provides as follows:-

"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'Domestic Industry' may be construed as referring to the rest of the producers."

14. The petition has been filed by M/s. Gujarat Alkalies & Chemicals Limited and M/s. Punjab Chemicals & Crop Protection Ltd. The Petitioners' production accounts for 51.88% of the total production of the subject goods in India, and, hence, constitutes a major proportion in the Indian production. In view of the foregoing, the Petitioners satisfy the requirement of standing to file the present petition and the Petitioner Companies constitute 'Domestic Industry' as per the Rules.

E. OTHER ISSUES

15. Request was made by the Authority to the DGCI&S to provide the transaction wise import data regarding the imports of the product concerned in India. The same was received by the Authority. The domestic industry has provided the

IBIS transaction wise import data regarding the imports of the product concerned in India. Both the data has been analysed. The Authority notes that import volume from China PR as per DGCI&S data in the period of investigation comes to 10,606 MT whereas petitioners have claimed that as per IBIS data import volume in the period of investigation was of 9,792 MT. Therefore, the volume of imports as reported by DGCI&S is marginally higher. With regard to the price, the Authority notes that the import price from China PR as per DGCI&S data is Rs. 44.40 per kg and the same as per IBIS is Rs. 45.13 per kg. Therefore, there is no significant variation in the price reported by DGCI&S and IBIS as well. The volume and value of the imports of the subject under consideration from China PR from both the sources are also comparable. The Authority, therefore, adopts the DGCI&S data for determination of volume and value of imports in India in the entire injury period.

F. ASSESSMENT OF DUMPING – METHODOLOGY AND PARAMETERS

Dumping

Submissions by the opposing interested parties

16. No opposing interested party has responded to this investigation and raised any issue with regard to dumping.

Submissions by the domestic industry

17. Following submissions have been by the domestic industry:

a. None of the WTO Member countries has granted market economy status to Chinese producers on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph 8(3).

b. None of the Chinese producers can satisfy market economy status.

c. China PR has been treated as a non market economy by European Commission and the United States of America in the past three years. European Union and United States are members of World Trade Organization.

d. In India also, the Authority has treated China PR as non-market economy. The Authority has treated China as non-market economy in practically all the investigations initiated against China PR after the amendment dated 31st May 2002.

e. European Commission, in the matter of trichloroisocyanuric acid; certain seamless pipes and tubes of stainless steel; oxalic acid; hand pallet trucks and their essential parts; barium carbonate, has treated China as a non-market economy. USA has treated China as a non-market economy in the matter of anti-dumping investigations such as Certain Woven Electric Blankets, Seamless Refined Copper Pipe and Tube, Narrow Woven Ribbons with Woven Selvedge and Certain Magnesia Carbon Bricks.

f. Even after the amendment dated 4th January, 02, the Authority has treated China PR as a non-market economy.

g. Designated Authority has treated China as a non-market economy in practically all the investigations initiated against China after the amendment dated 4th June, 2002.

h. It has been agreed by China PR also, under its Accession Treaty, that WTO Members could use an NME antidumping methodology till December 11, 2016.

i. Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity.

j. Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values.

k. Market economy status cannot be given unless the responding exporter establishes that their books are audited in line with international accounting standards.

l. Market economy status cannot be granted even if one of the parameters is not satisfied.

- m. Responding Chinese exporters are to establish that they are operating under market economy conditions.
- n. Normal Value cannot be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not available.
- o. That Normal Value must be “comparable price in the ordinary course of trade for the like article when meant for consumption in such market economy third country”. In order to arrive at Normal Value on this basis, the Designated Authority shall require complete & exhaustive verifiable information on all domestic sales made by a cooperating producer in such third country, along with its cost of production and all other associated information and evidences (including all information in the ordinary course of trade).
- p. Principles of fair comparison as laid down under Article 2.4 of the Anti dumping Agreement are also relevant in this respect.
- q. Petitioners have not been able to procure such information from a producer in market economy third country.
- r. Petitioners have, therefore, determined Normal Value in China PR on the basis of cost of production in India, duly adjusted. Consumption norms of one of the petitioners companies’ production have been considered for major raw materials and utilities.
- s. Export price has been determined as weighted average import price of the product under consideration. It is to be noted that the export price is calculated at the CIF level. According to the WTO Agreement on Anti Dumping and Indian Anti dumping Rules, comparison of normal value and export price should be done at the same level of trade. Therefore, the export price has been adjusted for the expenses, which may have been incurred by the exporter for exporting the subject goods to India.
- t. Dumping Margin is not only more than limits prescribed but also substantial.

Examination by the Authority

Dumping Margin:

a) Normal Value

18. The Authority notes that in the past China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure of Anti-dumping Rules, China PR is treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules

19. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People’s Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a. the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

c. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms; and,

d. the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

20. The Authority notes that in the present investigation no response has been received from any producer/exporter from China PR. None of the exporters/producers from the subject country has cooperated with the Authority and responded to the present investigation. Further none of the interested parties has provided any other alternate basis on which normal value can be determined. In view of the above position, the Authority considers China PR as a non market economy country. In view of the above position, the Authority constructs the normal value based on the facts available by adopting the cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit. For this purpose, the Authority has taken the international price of major raw material and conversion cost of the most efficient of the domestic industry. Accordingly, the constructed normal value is determined as US\$ *** per MT for Technical Grade and US\$*** per MT for Food Grade.

b) Export Price

21. With regard to the export price, the Authority noted that none of the exporters from the subject country has cooperated in the subject investigation. Therefore, the Authority has considered weighted average export price based on the DGCI&S import data. The weighted average net ex-works export price of the subject goods from China PR as per DGCI&S import data for the POI, after adjustments of Ocean freight, Marine insurance, Commission, Port Expenses, Inland Freight, Bank Commission and VAT comes to US \$*** per MT for Technical Grade and US \$*** per MT for Food Grade.

c) Dumping Margin

22. On the basis of the constructed normal value and net export price so determined as explained above at ex-factory level, the dumping margin arrived at for all exporters of the subject goods from the subject country during POI is as given in table below. The Authority notes that the dumping margin of the exports of the subject goods from the subject country is positive and above de-minimis.

China PR	Normal Value (US\$/MT)	Export Price (US\$/MT)	Dumping Margin (POI 2011-12) (US\$/MT)	Dumping Margin (POI) %	Dumping Margin (POI) Range
All producers and exporters from China PR					
• Technical Grade	***	***	***	***	40-50
• Food Grade	***	***	***	***	95-105
Weighted Average	***	***	***	***	50-60

G. ASSESSMENT OF INJURY AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK

Assessment of Injury

Submissions by the opposing interested parties

23. No opposing interested party has responded to this investigation and raised any issue with regard to injury.

Submissions by the domestic industry

24. Following submissions have been by the domestic industry:

a. Information has been provided in respect of like article to the extent feasible and is separately available. However, in those situations where the information is not separately available in respect of the like article because separate

identification of that information is not feasible, information has been provided in respect of narrowest group/range of products, which includes the like article and for which the necessary information is available and can be provided.

b. While conducting sunset review investigation, the Authority is required to consider the extent to which any improvement in the performance of the Domestic Industry is related to the anti dumping duty in force and whether the Domestic Industry is vulnerable to the injury if the existing orders are allowed to expire. In a sunset review investigation, injury analysis consists of consideration of the economic situation of the Domestic Industry at the time of the original investigation vis-à-vis the post investigation developments in the economic situation of the Domestic Industry.

c. In order to determine the current situation of the Domestic Industry, the production, capacity, its utilization, sales, stocks, employment, demand, market share, price parameters, profitability, investments and other factors are required to be considered. If it is found that the imports are continuing at dumped prices and causing injury to the Domestic Industry, it can be concluded that the expiry of the duty in force would only lead to a further deterioration in performance of Domestic Industry.

d. Petitioners request the Authority to investigate and examine the likelihood of continuation of dumping of the subject goods and consequent likelihood of continuation of injury to the Domestic Industry.

e. There has been overall increase in demand of product concern in India. Significant jump in 2010-11 in demand over 2009-10 may be due to significant increase in imports from Israel and Taiwan, against which Authority has recently concluded the investigation and recommended imposition of anti dumping duty.

f. Imports have shown an increasing trend in the POI as compared to the base year. In fact, the imports from China PR have increased very significantly between the base year and the POI and in relation to demand in India.

g. Landed price of imported product from China PR is significantly below the net sales realization of domestic industry, causing significant price undercutting.

h. Decline in cost of sales is less than decline in prices. The continued dumped imports are, therefore, causing price suppression and depression in the Indian market.

i. Both the cost of production and the selling price first declined and then increased. Further, the imports are undercutting the domestic prices. The imports are thus likely to have depressing effect on the prices in the market.

j. There has been a significant increase in the dumped imports, both in absolute terms or relation to production or consumption in India. Further, there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India and the effect of the imports is to depress the domestic prices and prevent price increases which otherwise would have occurred, to a significant degree.

k. There is increase in demand of the subject goods. However, despite sufficient demand in the country, sales and production of the Domestic Industry did not increase.

l. Capacity utilization of domestic industry declined.

m. Due to easy availability of dumped imports, domestic industry was not able to increase its production and sales in same proportion to increase in demand, as a result, there has been production and sales loss of 7044 MT and 4886 MT in POI.

n. Post imposition of anti-dumping duty, domestic industry expected to increase its sales and market share, which did not increase, and in fact declined.

o. Market share of domestic industry has decreased due to the increasing imports and has not improved inspite of anti dumping duty in force.

p. Performance of the domestic industry has not improved over the years as a result of continued dumping. The domestic industry has suffered losses. Though domestic industry earned some profits in current POI, the level of the same remained quite low. The return on capital employed earned by the domestic industry is quite low.

q. Productivity of the domestic industry has declined in spite of imposition of duty. The performance of the domestic industry over the years in terms of productivity shows improvement with the exception of 2010-11, but has again declined due to the dumped imports.

r. Employment and wages have shown improvement given the fact that the constituents of domestic industry are multi product companies. These parameters may not be reflective of the continued injury suffered by the domestic industry.

s. The volume parameters such as production and sales volume are reflecting negative growth. Market share has declined and inventories are high. Thus, the volume growth cannot be described as satisfactory. Even though price parameters such as profits, profit before interest and tax, cash profit and return on investment are showing positive growth, the same are grossly unsatisfactory. The domestic industry is still facing price underselling. It is submitted that revocation of anti dumping duty at this stage would result in severe injury to the domestic industry.

Examination by the Authority

25. The domestic industry has alleged continued dumping and injury and requested for enhancement of the anti-dumping duty in force. The subject sun set review investigation is for assessing the situation of continued dumping and injury or likelihood of dumping and injury and for reviewing the necessity for continuance/enhancement of the anti dumping duty in force.

26. According to Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act, anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition, provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension.

27. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

28. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry, para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states as follows:

“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping, actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.”

29. For the purpose of assessing present state of injury, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any. The Authority notes the concern of the parties about analysis of injury parameters and has addressed the same by undertaking analysis of all mandatory injury parameters. The Authority has adopted the DGCI&S data for its analysis.

I. Volume Effect: Volume effect of dumped imports and impact on domestic industry

Demand and Market Share

30. The Authority has determined demand or apparent consumption of the product in the Country as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources. The demand so assessed can be seen in the table below.

Import Volume	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
					(2011-12)
-China PR (Subject Country)	MT	2,733	2,579	7,905	10,606
-Countries attracting anti dumping duty	MT	10,462	16,189	25,613	12,957
-Others Countries	MT	110	1,153	1,851	3,071
Total Imports	MT	13,304	19,922	35,368	26,635
Sales of the domestic industry	MT	22,353	22,550	25,122	23,071
Sales of other Indian producers	MT	23,765	22,647	10,869	22,610
Total Consumption/Demand in India	MT	59,422	65,119	71,359	72,316
Total Indian Production	MT	48,498	45,099	35,894	45,877
Imports from China PR in relation to					
-Total Imports	%	20.54%	12.95%	22.35%	39.82%
-Total Consumption/Demand	%	4.60%	3.96%	11.08%	14.67%
-Total Indian Production	%	5.63%	5.72%	22.02%	23.12%

31. It would be seen that demand of the product shows increasing trend compared to the base year. In the POI, the imports from China PR increased and China PR captured significant market share during the POI.

Import Volume & Market Share

32. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

Import Volume	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Imports from China	MT	2,733	2,579	7,905	10,606
Imports from China in relation to-					
Total Imports	%	20.54%	12.95%	22.35%	39.82%
Total Consumption/Demand	%	4.60%	3.96%	11.08%	14.67%
Total Indian Production	%	5.63%	5.72%	22.02%	23.12%

33. The Authority notes that there has been significant and continuous increase in the imports in the entire injury period in spite of existing anti-dumping duties. Subject imports also have increased in relation to total imports, Indian production and consumption/demand in India.

II. Price Effect: Price effect of dumped imports and impact on domestic industry

34. The impact on the prices of the domestic industry on account of imports of the subject goods from the subject country has been examined with reference to price undercutting and price underselling. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been

compared with landed value of imports from the subject country. A comparison for the subject goods during the period of investigation was made between the landed value of dumped imports and the domestic selling price in the domestic market. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, rebates, discounts and commission offered by the domestic industry have been adjusted. The Authority has worked out a non-injurious price and compared the same with the landed value. The non-injurious price has been evaluated for the domestic industry by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The position is as follows :

Price Undercutting and Underselling

35. The price undercutting/underselling effects in the POI are examined below :

Particulars	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Net Sales Realisation	Rs./MT	***	***	***	***
Landed Price	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting Range		(25-35)	8-15	8-15	12-25
Non Injurious Price	Rs./MT				***
Landed Price	Rs./MT				***
Price Underselling	Rs./MT				***
Price Underselling	%				***
Price Underselling Range					13-22

Food Grade

Particulars	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Net Sales Realisation	Rs./MT	***	***	***	***
Landed Price	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting Range	%	50-100	40-80	40-80	20-50
Non Injurious Price	Rs./MT				***
Landed Price	Rs./MT				***
Price Underselling	Rs./MT				***
Price Underselling	%				***
Price Underselling Range					40-55

36. The Authority notes that the landed price of imports is below the selling price as well as the non injurious price of the domestic industry, resulting in significant price undercutting and underselling.

Price Suppression/Depression

37. To examine price suppression and depression effect, the Authority has examined cost of sales and selling price per unit of the domestic industry during the POI and the injury period. The trends in this regard are given in the table below :

Technical Grade

Particulars	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Cost of sales	Rs/MT	***	***	***	***
Trend		100	77	82	86
Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend		100	72	79	91

Food Grade

Particulars	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Cost of sales	Rs/MT	***	***	***	***
Trend		100	67	81	91
Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend		100	56	55	57

38. From the above, the Authority notes that for Technical Grade, cost of sales of the domestic industry decreased in the POI in comparison to the base year. However, the selling price which has also decreased in the same period shows slightly increasing trend in comparison to the cost of sales. The trend is reverse for Food Grade.

III. Examination of other injury parameters

39. Annexure II to the Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of the subject goods. Further Annexure II (iv) of the Rules lays down as follows:-

“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments”

Production, Capacity and Capacity Utilization

40. The Authority notes from the table below that production of the domestic industry has declined during the POI as compared to the base year.

Particulars	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Capacity	MT	29,730	29,730	29,730	29,730
Production	MT	24,842	22,317	24,790	23,800

Capacity Utilization	%	84%	75%	83%	80%
----------------------	---	-----	-----	-----	-----

Sales

41. Sales volume of domestic industry is given in the following table :

Particulars	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Sales Volume of the Domestic Industry	MT	22,353	22,550	25,122	23,071
Market share of Domestic Industry in demand	%	37.62	34.63	35.20	31.90

42. The Authority notes that sales of domestic industry which was increasing till 2010-11 declined in the POI inspite of the fact that there is sufficient demand of product in India.

43. The Authority further notes that the market share of the domestic industry has decreased during the POI as compared to the base year as well as the immediate preceding year. The Authority notes that decline in share of domestic industry in demand has been captured by imports from China PR. Further, even when the anti dumping duties remained in effect, the volume of imports has not been impacted by the existing anti dumping duties.

Profit/loss, Return on Investment and Cash Flow

44. The return on investment, profit/loss before and after interest, return on investment and cash profit are as shown in the table below :

Particulars	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Cost of Sales	Rs./MT	***	***	***	***
Cost of Sales Indexed	Trend	100	77	82	86
Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Selling Price Indexed	Trend	100	72	79	91
Profit/Loss	Rs./MT	***	***	***	***
Profit/Loss Indexed	Trend	100	(75)	(14)	229
Profit/Loss	Rs./Lacs	***	***	***	***
Profit/Loss Indexed	Trend	100	(75)	(16)	217
Cash profit	Rs./Lacs	***	***	***	***
Cash profit Indexed	Trend	100	30	54	151
Return on Investment	%	***	***	***	***
Return on Investment Indexed	Trend	100	(37)	18	192

45. The Authority notes that imposition of anti dumping duty resulted in providing some relief to the domestic industry which can be seen in the profit made in the base year. In 2009-10 and 2010-11, domestic industry made losses, which turned into profits in the POI.

Inventories

46. The inventory position of the domestic industry has been as under :

Particulars	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	169	149	157
Average Stock for Number of Days Sales	Days	***	***	***	***

47. The Authority notes that average stock of the domestic industry increased in the POI as compared to the base year. Stock, which was equal to 21 days sales in the base year increased to 35 days sales in the POI.

Employment and Wages

48. Employment and wages position of domestic industry is given below :

Particulars	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Employment	Nos	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	110	109	101
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	162	165	167

49. The Authority notes that the employment level of the domestic industry shows a marginal positive trend in the POI in comparison to the base year and at the same time, wages paid by the domestic industry increased during the entire injury period.

Productivity

50. Information relating to productivity of domestic industry is given below :

Particulars	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Productivity per Day	MT/Day	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	90	100	96
Productivity per Employee	MT/Nos	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	82	92	95

51. It is seen that productivity of the domestic industry declined both in terms of production per day and production per employee in the POI in comparison to the base year.

Growth

52. The Authority notes that the domestic industry has lost market share in the POI which is gained by the imports from China, result of which can be seen on production and sales of the domestic industry. The inventory of the domestic industry has increased in the POI in comparison to the base year. In terms of return on investment and profits, the domestic industry has shown positive growth.

Ability to raise capital investments

53. The Authority notes that the domestic industry is a multi product company. Their ability to raise further investment is not a relevant factor in this investigation.

54. In view of the above, it is noted that:

- a. The volume of imports from China increased in the POI in comparison to the base year.
- b. Price undercutting/underselling without prevailing anti dumping duties is positive.

c. Performance of the Domestic Industry in terms of production, capacity utilisation, and market share in sales volume has shown decreasing trend.

d. Performance of the Domestic Industry in terms of profits and return on investments has shown improvement.

Examination of Causal Link and Other Known Factors

55. In addition to the examination of likelihood of dumping and injury, the Authority is required to examine the likelihood of dumping and injury and the need for continuation of duties irrespective of whether there have been any imports of the product under consideration during the review investigation period or not. The Authority examined whether other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It is noted as follows:

(i) Volume and Prices of imports not sold at dumped prices

56. The Authority observes that the imports of the product under consideration from other countries are either attracting anti dumping duty or volume is negalible.

(ii) Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers

57. The Authority notes that the subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. Further there is no perceptible competition among the domestic producers, except that is obvious of a market economy.

(iii) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

58. The Authority note that there is no contraction in demand during the injury period. Hence, contraction in demand has not caused injury to the domestic industry.

(iv) Export performance

59. Domestic industry does not have significant export activities for the product concern. Hence, export performance has not affected the injury to the domestic industry.

Magnitude of Injury and Injury Margin

60. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during the POI. Thus compared, the injury margin is worked out is as under :

Particulars	UOM	Technical Grade	Food Grade	Average
Non Injurious Price	Rs./MT	***	***	***
Landed Value	Rs./MT	***	***	***
Injury Margin	Rs./MT	***	***	***
Injury Margin	%	***	***	***
Injury Margin Range		13 to 22	45-55	20-30

61. On the basis of the above analysis, the Authority concludes as under:

a. In spite of the anti-dumping duty in force, the Chinese exporters command a significant share in the Indian market.

b. The landed value of imports, even with anti dumping duty, is lower than the domestic selling price.

c. The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and the dumping margin is above de-minimis.

- d. The imports of product under consideration from the subject country have substantially increased during period of investigation as compared to base year as well as preceding year and have remained significant over the current injury period in absolute terms.
- e. The imports of the subject goods from the subject country continued to be at dumped prices in spite of existing anti dumping duties.
- f. Price Undercutting with and without anti-dumping duty is positive and substantial
- g. Price Underselling effect with and without anti-dumping duty is positive.
- h. The overall economic health of the domestic industry has improved in terms of profitability and return on investment.
- i. The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and the dumping margin is above de-minimus.

LIKELIHOOD OF CONTINUATION/RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY

62. The Authority notes that no response/submission was made by either the producers/exporters from the subject country or by the Indian importers of the subject goods during the investigation. The Authority has examined the likelihood of recurrence/continuation of dumping and injury and noted as under:

Submissions by the opposing interested parties

63. No opposing interested party has responded to the investigation and, thus, there are no submissions in this regard.

Submissions by the domestic industry

64. Following submissions have been by the domestic industry:

a. Dumping of the product under consideration continued from China PR even after the imposition of anti dumping duty. The Designated Authority had earlier conducted investigations relating to this product and noted significant dumping of the product concerned in India. It is submitted that dumping by the subject country is restricting fair competition in the market, which would ultimately affect the interests of the consumers of the product concerned.

b. Either there could be “continued” dumping and injury, or in the absence of continued dumping and injury, likelihood of recurrence of dumping and injury thereof. Thus, Rules and the other provisions of sunset review clearly envisage a situation where the Domestic Industry would not have suffered continued injury after imposition of anti dumping duties. Following can be situations/equations of likelihood of dumping and injury.

I. In case of continued imports of product concerned from the subject country.

i. Dumping has continued and injury has also continued.

ii. Dumping has continued but there is no injury to the Domestic Industry because duty is in force.

iii. There is no dumping and injury has continued. Further, revocation of duty shall result in continued or intensified injury.

iv. The dumping and injury is likely to recur in case of revocation of duty.

II. In case of no imports of product concerned from the subject country.

i. There is no dumping but dumping is likely to recur in case of revocation of duty.

ii. There is no injury. However, dumping will recur, which would lead to recurrence of injury.

c. Examination of material injury to the Domestic Industry is required to be made in accordance with the manner as laid down under Article 3 of the AD Agreement and Annexure II to the AD Rules, 1995.

d. The phrase ‘mutatis mutandis’ in Rule 23(3) acknowledges that there may be improvement in various parameters relating to performance of the Domestic Industry. Therefore, the investigating authority should examine the matter on mutatis mutandis basis.

e. In the original investigation, Designated Authority has determined significant and positive dumping margin as is evident from the table below –

Name of the Exporter	Dumping Margin (%)
M/s Yunnan Chempbos Corporation	43.14%
Non cooperating producers and exporters	55.42%

f. Dumping margin determined now is also not only more than limits prescribed but also significant. Continued and positive dumping margin clearly shows that there is likelihood of continued dumping in the event of revocation of the duty.

g. The volume of exports has significantly increased. More importantly, the increase in volume is despite imposition of anti dumping duty and at dumped prices. Therefore, it cannot be said that there would be no continuation of dumping in case of revocation of duty.

h. Producers in China PR maintain huge capacities to produce phosphoric acid. In case of revocation of anti dumping duty, the volume of subject goods' imports is bound to increase further.

i. Imports from China are undercutting the prices of the Domestic Industry. The producers and exporters from China PR are in a position to increase their realization, still they would get the better market opportunities.

j. Subject country captured significant market share which is lost by domestic industry. The market share of dumped imports has increased. This situation exists in spite of the present anti dumping duty.

k. Exporters from China PR have very high export orientation worldwide. The export percentage of the Chinese companies varies from 11%-100%. Hence, the dumping and injury is likely to recur at aggravated level in case the existing anti-dumping duties are revoked at this stage.

l. The dumping is likely to continue and consequent injury to the Domestic Industry is likely to be caused in the event of revocation of anti dumping duty.

m. In a situation where there is no continued injury to the Domestic Industry, Designated Authority is required to examine likelihood of recurrence of injury to the Domestic Industry in the event of expiry of the anti dumping duty in force. In the present case, the import volumes from China PR are quite significant, despite current level of anti dumping duties, as may be seen from the table below :

Sl. No.	Year	Unit	Imports in MT
1	2008-09	MT	2,733
2	2009-10	MT	2,579
3	2010-11	MT	7,905
4	2011-12 (POI in the present investigation)	MT	10,606

n. Producers in subject country are having excessive production capacities. It is submitted that in case of cessation of the present duty, dumping from China would definitely lead to increase and ultimately cause intensified volume and price injury to the Domestic Industry which is at the recovery stage under the protection cover of the anti dumping duty.

o. Producers in China PR maintain huge capacities to produce phosphoric acid. The capacities of some of the Chinese producers/exporters as pointed out in by them in their websites are as in the table below. In case of revocation of anti dumping duty, the volume of subject goods' imports is bound to increase further.

p. Vulnerability of the domestic industry relates to whether the industry would be susceptible to material injury in the event of cessation of antidumping duty imposed. In such a situation, the Authority must consider whether the industry will deteriorate further upon revocation or termination. In the instant case, continued presence of dumped imports has prevented the domestic industry from recovering from past effects of dumping. In the event of cessation of current antidumping duty, the domestic industry will have to either, decrease the selling price by the amount of ADD or will maintain the current selling price.

q. In the event of cessation of current anti-dumping duty and if Domestic Industry chooses to sell at import prices, the Domestic Industry would suffer significant financial losses. The return on investment and cash profit would also be significantly negative. Therefore, it is submitted that cessation of anti-dumping duty would have significant adverse effect on the prices in the market.

r. Consideration of the current levels of import volumes and dumping margin from the subject country creates great possibility that expiry of duty will result in intensified dumping of subject goods from the subject country in the Indian market given the fact that subject country holds excessive capacities. It is submitted that present anti dumping duties are supposed to be acting as a restraint, despite which the volume of imports is so significant. Revocation of such duty implies that the Indian market would be catered only by the Chinese producers.

s. The prices at which subject goods are being imported from China are substantially lower than the price at which the goods are being sold in the domestic market. Therefore, in case of expiry of duty, exporters would further channelize their

output in the Indian market as they are already holding excessive capacities and are in fact selling subject goods to third countries at substantially lower prices. All such circumstances would result in likelihood of injury to the Domestic Industry.

t. While the foregoing establishes that the present anti dumping duties should be extended further, it is submitted that the responding exporters in the investigation must establish that dumping is unlikely to continue or recur in the event of revocation of anti dumping duties. Information that the exporters must provide to the Designated Authority in order to establish no likelihood of continuation of dumping in the event of revocation of duty is listed in the questionnaire prescribed by the Designated Authority. Unless the exporters establish on the basis of this information that dumping and consequent injury is unlikely to continue, intensify or recur in the event of revocation of anti dumping duties, it must be held that the dumping would continue or recur or intensify in the event of revocation of anti dumping duties.

Examination by the Authority

65. The Authority has examined the likelihood of recurrence/continuation of dumping and injury and noted as under:

a. The Authority notes from the information available on the websites of some of the Chinese producers and other websites that these Chinese producers have tremendous production capacity of the subject goods and some of them are claiming to export 55% to 90% of their production capacity. Their minimum known annual production capacity, as can be seen from the table below, is 5,02,000 MT.

Producers In China	Production Capacity
Liuzhou Xianmi Trading Co. Ltd.	30,000 MT
Shijiazhuang Liao Chemical Co. Ltd.	12,000 MT
Guangxi Yizhou Yisheng Fine Chemical Co. Ltd.	40,000 MT
Qin Zhou Rong De Chemicals Co. Ltd.	20,000 MT
Lianxing Chemical Co., Ltd.	35,000 MT
Yunnan Chemphos Corporation	30,000 MT
Guangxi Qinzhou Capital Success Chemical Co. Ltd.	20,000 MT
Qingzhou Kedi Chemical Co. Ltd.	10,000 MT
Skyland Chemical Corporation Ltd.	5,000 MT
Yunnan Yuntianhua International Co. Ltd.	3,00,000 MT
Minimum Known Capacity in China PR	5,02,000 MT

b. From the above, the Authority notes that the minimum known production capacity of 5,02,000 MT of the Chinese producers is much more than the demand in India which stands at meager 72,316 MT in the period of investigation in comparison. The minimum known production capacity of the Chinese producers is more than 700% of the Indian demand in the period of investigation. In such a scenario, in the event of cessation of the existing anti-dumping duty, it would not be difficult for the Chinese producers/exporters to completely replace the producers of the subject goods in the Indian market.

c. The Authority notes that the domestic industry has also provided the transaction wise export data of China Customs for exports of the product under consideration from China PR to third countries. In the absence of any response to the investigation from Chinese exporters and importers in India, this data has been relied upon by the Authority and analysed. From this data, the Authority notes that China PR has exported 5,13,747 MT of the product under consideration to countries other than India, which means that the total production capacity in China is much more than the minimum known production capacity. Further, this export to other countries is at average price of US\$ *** per MT (FOB), which is the dumped price if these exports are compared with the constructed normal value in China. This dumped export is more than 700% of the Indian demand. Further, if these exports are diverted to India, the landed price of these exports will be significantly below the non injurious price of the domestic industry. Therefore, these exports which are more than 700% of the total Indian demand are at dumped as well as injurious price.

66. Based on the above analysis of dumping, injury and likelihood of dumping and injury, the Authority concludes that the subject goods from the subject country are entering the Indian market at dumped prices and the dumping margin is significant; these dumped imports are also causing injury to the domestic industry and the injury margin is significant; and in the event of cessation of the existing anti-dumping duty, there is likelihood that the subject country will divert the subject goods to India at dumped and injurious prices.

I. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST AND OTHER ISSUES

67. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

68. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti dumping, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

J. POST DISCLOSURE STATEMENT SUBMISSIONS BY THE INTERESTED PARTIES

J.1 Post Disclosure Statement submissions by the opposing Interested Parties

69. The Authority notes one importer/user M/s. Sandeep Organics Private Limited, Mumbai, claimed to be an interested party in this investigation. The Authority, thus, had sent the Disclosure Statement to the said importer but the said importer did not file any submissions on the Disclosure Statement. No other exporter/importer/user and opposing interested party has responded to the Disclosure Statement.

J.2 Post Disclosure Statement submissions by the Domestic Industry

70. Following are in brief the post Disclosure Statement submissions made by the domestic industry:

- a) The non injurious price determined is too low. The raw materials utilization should not necessarily be considered at the best achieved levels. Actual raw material and utilities consumption must be considered. Actual production must be the basis for determination of non-injurious price and production weight used to determine non-injurious price should be the same as production used to determine non-injurious price of the particular company.
- b) Amount of cost adjusted for on account of VAT refund while determining net export price is not clear. Evidence from website shows that there is no VAT refund available for phosphoric acid. Therefore, 17% is the VAT cost that needs to be adjusted from the export price.
- c) There is continued dumping of the subject goods into the country and the imports commands significant share in the domestic market despite existence of anti dumping duty.
- d) The facts & circumstances established on the basis of positive evidence clearly show that dumping and consequent injury to the domestic industry is likely in the event of withdrawal of anti dumping duties.
- e) Even though the performance of the domestic industry improved, the same is still lower than reasonable levels.
- f) The dumping and injury margin is positive and significant.
- g) Imports are undercutting the domestic prices and margin of undercutting is positive. Thus, in the event of withdrawal of anti dumping duty, the domestic industry would be forced to reduce the prices. Withdrawal of anti dumping duty would therefore have adverse price effect.
- h) The form of measure is required to be kept as fixed quantum expressed in US\$.

J.3 Examination by the Authority

71. The Authority notes that no one except the Domestic Industry has responded in this investigation. The Authority has examined the submissions made by the Domestic Industry and notes that most of them are repetitive and have already been dealt with under appropriate headings in this Notification. As regard the argument that non injurious price determined is low, the Authority notes that non injurious price has been determined as per Annexure III to the Anti dumping Rules, based on verified data and consistent practice of the Authority. As regard the argument on VAT refund, the Authority notes that necessary adjustment for VAT difference has been made in the dumping margin determined.

K. CONCLUSION AND RECOMMENDATION

72. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the domestic industry and facts available before the Authority and on the basis of above analysis including analysis of likelihood of continuation of

dumping and injury and post Disclosure Statement submissions made by the Domestic Industry, the Authority concludes and recommends that:

- i) The subject goods are entering the Indian market at dumped and injurious prices.
- ii) The imports of the subject goods from the subject country continued to be at dumped prices in spite of existing anti dumping duties.
- iii) The overall economic health of the domestic industry has improved in terms of profitability and return on investment but Price Undercutting with and without anti-dumping duty is positive and substantial. Price Underselling effect with and without anti-dumping duty is also positive.
- iv) In the event of cessation of the existing anti-dumping duty, there is likelihood that the subject country will divert the subject goods to India at dumped and injurious prices.

73. The Authority, thus, in order to remove dumping and injury to the domestic industry considers it necessary to recommend continuation of definitive anti dumping duty on all imports of the subject goods from the subject country as per the Duty Table below.

74. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive antidumping duty as per amount specified in the table below is recommended to be imposed from the date of the Notification to be issued by the Central Government, on all imports of the subject goods originating in or exported from the European Union.

DUTY TABLE

SNo	Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measure	Currency
1	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	280920	Phosphoric Acid	Technical Grade and Food Grade (including Industrial Grade)	China PR	China PR	Any	Any	249.38	MT	US\$
2	-do-	-do-	-do-	China PR	Any other than China PR	Any	Any	249.38	MT	US\$
3	-do-	-do-	-do-	Any other than China PR	China PR	Any	Any	249.38	MT	US\$

75. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

76. An appeal against the order of the Central Government arising out of this Final Findings Notification shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

J. S. DEEPAK, Designated Authorit